दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

ब्रेकअप के बाद काफी टूट गई थीं ...

राजा शिवाजी का ट्रेलर लांच, जुटी पूरी टीम

वर्ष : 12 | अंक : 119 | लखनऊ, 22 अप्रैल, बुधवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

होमगार्ड भर्ती परीक्षा और कानून व्यवस्था पर सीएम योगी करेंगे समीक्षा बैठक

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आज प्रदेशभर के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ होगी बैठक

- सभी जोन के एडीजी, पुलिस कमिश्नर, मंडलायुक्त, डीएम-एसपी होंगे बैठक में शामिल
- 25 से 27 अप्रैल के बीच होने वाली परीक्षा को लेकर मुख्यमंत्री देंगे आवश्यक दिशा निर्देश

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश में होने वाली होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर प्रदेश सरकार पूरी तरह अलर्ट मोड में है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार रात 9 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ व्यापक समीक्षा करेंगे, जिसमें परीक्षा की तैयारियों के साथ-साथ कानून व्यवस्था को लेकर भी मुख्यमंत्री महत्वपूर्ण निर्देश देंगे। बैठक में प्रदेश के सभी अपर पुलिस महानिदेशक (जोन), पुलिस आयुक्त, मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, आईजी/डीआईजी रेंज, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक और जिला विद्यालय निरीक्षक समेत संबंधित अधिकारी शामिल होंगे। गौरतलब है कि प्रदेश में 25, 26 और 27 अप्रैल को होमगार्ड भर्ती परीक्षा आयोजित की जानी है। परीक्षा के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, अभ्यर्थियों की सुविधा और नकलविहीन परीक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता में है। मुख्यमंत्री बैठक के दौरान कानून व्यवस्था की स्थिति की भी विस्तृत समीक्षा करेंगे। संवेदनशील जिलों, परीक्षा केंद्रों और संभावित भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए जा सकते हैं। सरकार का पूरा जोर परीक्षा को पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने पर है। नकल, पेपर लीक या किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पर सरकार जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई सुनिश्चित कर रही है। इसी क्रम में सभी अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में पूरी तैयारी के साथ प्रतिभाग करने के लिए निर्देशित किया गया है।

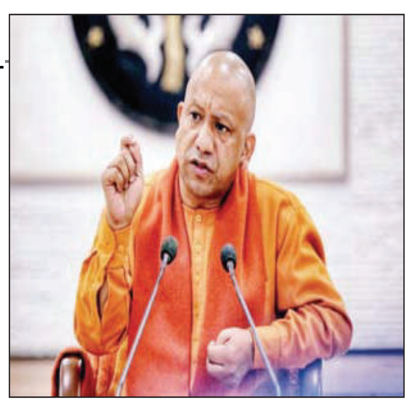

दो साल से कम अंतर पर भी दूसरा मातृत्व अवकाश मान्यः हाईकोर्ट

- कहा, सरकार की फाइनैन्शियल हैंड बुक मातृत्व लाभ कानून के ऊपर नहीं

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि पहली मातृत्व अवकाश लेने के दो वर्ष के भीतर दूसरे मातृत्व अवकाश पर रोक नहीं लगाई जा सकती। न्यायालय ने यह भी कहा कि इस विषय में वित्तीय (फाइनैन्शियल) हैंडबुक के प्रावधान मातृत्व लाभ कानून के ऊपर नहीं हो सकते।

यह आदेश न्यायमूर्ति करुणेश सिंह पवार की एकल पीठ ने मनीषा यादव की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। याचिका में 4 अप्रैल 2026 को पारित उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसके जरिए याची की दूसरी मातृत्व अवकाश की मांग को अस्वीकार कर दिया गया था। सुनवाई के दौरान याची की ओर से अधिवक्ता चिन्मय मिश्रा ने दलील दी कि मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 एक लाभकारी कानून है और इसके प्रावधानों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वहीं, राज्य की ओर से वित्तीय हैंडबुक के नियम 153(1) का हवाला देते हुए कहा गया कि दो प्रसूति अवकाश के बीच कम से कम दो वर्ष का अंतर होना आवश्यक है।

अदालत ने पूर्व के निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि मातृत्व लाभ अधिनियम संसद द्वारा बनाया गया कानून है और यह किसी भी कार्यपालिका निर्देश या वित्तीय हैंडबुक के प्रावधानों से ऊपर है। ऐसे में, यदि दोनों में कोई विरोधाभास हो, तो अधिनियम के प्रावधान ही प्रभावी होंगे। कोर्ट ने पाया कि याची ने पहली संतान के जन्म के दो साल के भीतर ही फिर से प्रसूति अवकाश के लिए आवेदन किया था, जिसे गलत आधार पर खारिज कर दिया गया। अदालत ने इस आदेश को रद्द करते हुए संबंधित अधिकारी को निर्देश दिया कि याची को 6 अप्रैल 2026 से 2 अक्टूबर 2026 तक मातृत्व अवकाश प्रदान किया जाए।

इकाना स्टेडियम के आसपास प्रदूषण मामले में हाईकोर्ट सख्त, अधिकारियों से मांगा जवाबः हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने इकाना स्टेडियम के आसपास बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरणीय अव्यवस्थाओं को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर गंभीर रुख अपनाया है। न्यायालय ने मामले की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों से अब तक उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी है। यह आदेश मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने ब्रजभूषण दुबे की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई के पश्चात पारित किया है। याचिका में स्टेडियम के आस पास फैले गंदगी और खराब पर्यावरण का मामला उठाया गया है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने मामले में जवाब दाखिल करने के लिए समय की मांग की गई जिसे न्यायालय ने स्वीकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई के लिए 12 मई की तारीख नियत कर दी है।

1238 नवागंतुक अधिवक्ताओं को तीन चरणों में ट्रेनिंग देकर बनाया जायेगा अवध बार एसोसियेशन का सदस्य

लखनऊ। अवध बार एसोसिएशन के नवागंतुक सदस्य अधिवक्ताओं को ट्रेनिंग प्रदान करने के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जायेगी। यह कार्यशाला 23, 27 और 29 अप्रैल के आयोजित की जायेगी। पहले और दूसरे चरण चार चार सौ अधिवक्ताओं को तो वहीं तीसरे चरण में 438 अधिवक्ताओं को ट्रेनिंग देकर उन्हें बार की सदस्या प्रदान की जायेगी। यह जानकारी अवध बार के महासचिव ललित तिवारी ने दी है। उन्होंने कहा कि यू पी बार काउंसिल में रजिस्टर्ड अधिवक्ताओं ने बड़ी संख्या में अवध बार की सदस्या पाने के लिए आवेदन किया है। उन्होंने कहा कि इस बार इन अधिवक्ताओं को अवध बार का सदस्य बनाने से पहले उन्हें ट्रेनिंग दिये जाने का निर्णय लिया गया है। तिवारी ने कहा कि अपने बार को जानिये, अपनी बेंच को जानिये नाम से आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में नवागंतुक बार के सदस्यों को प्रषिक्षित किया जायेगा कि हाई कोर्ट में केस दाखिल करने से पहले केस की तैयारी कैसे करनी होती है, उसकी ड्राफ्टिंग कैसे होगी और कोर्ट में बहस किस प्रकार से करनी चाहिए। प्रशिक्षण में नये अधिवक्ताओं को कोर्ट में वरिश्ठ अधिवक्ताओं के साथ बात व्यौहार के तौर तरीके और अन्य बातें भी बतायी जायेगीं। बार के अध्यक्ष पंडित एस चंद्रा ने बताया कि अवध बार के इतिहास में यह पहली बार हो रहा है कि नवागंतुक अधिवक्ताओं को बार का सदस्य बनाये जाने वे पहले उन्हें प्रषिक्षित किया जाने का निर्णय लिया गया है।

खबर संक्षेप

फ्रॉड में बैंक के 3 अफसर समेत 20 गिरफ्तार

राजकोट। गुजरात के राजकोट में 2500 करोड़ रुके साइबर फ्रॉड का भंडाफोड़ हुआ है। इसके साथ ही कुल गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 20 हो गई है। यस बैंक के पर्सनल मैनेजर मौलिक कामानी, एक्सिस बैंक के मैनेजर कल्पेश डांगरिया और एचडीएफसी बैंक के पर्सनल बैंकर अनुराग बाल्धा अरेस्ट हुए हैं।

श्रवण बने जेडीयू विधायक दल के नेता

पटना। बिहार में अहम घटनाक्रम में श्रवण कुमार को विधानसभा में जदयू विधायक दल का नेता चुना गया है। अधिसूचना भी जारी कर दी गई। यह निर्णय नीतीश कुमार द्वारा लिया गया। वे पूर्व मुख्यमंत्री के बेहद करीबी माने जाते हैं और पूर्व सरकार में कई अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

महिलाओं पर पप्पू यादव का बयान, नोटिस जारी

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने महिलाओं के संबंध में कहा कि महिलाओं को राजनीति में आने के लिए कंप्रोमाइज करना पड़ता है। बिहार राज्य महिला आयोग ने यादव को नोटिस जारी किया है। आयोग ने महिलाओं के खिलाफ ऐसी टिप्पणी करने को लेकर जवाब मांगें हैं।

डॉ. भागवत के खिलाफ हाईकोर्ट में अर्जी खारिज

मुंबई। उच्च न्यायालय की नागपुर खंडपीठ ने संघ प्रमुख मोहन भागवत को दी जा रही जेड प्लस वीआईपी सुरक्षा कवच का खर्च सरसंचालक मोहन भागवत के जरिए वसूलने की मांग खारिज कर दी। याचिका मे यह मांग की गई थी कि उनकी सुरक्षा पर खर्च स्वयं सरसंघचालक से वसूला जाए।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच देश के लिए खुशखबर

क्रूड में उतार-चढ़ाव के बीच देशभर में पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति सामान्य

क्रूड बास्केट का औसत मूल्य 116 डॉलर प्रति बैरल दर्ज किया गया

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। अप्रैल में इसकी कीमतों ने दुनिया को मुश्किल में डाला

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता ने दी जानकारी

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख/ नई दिल्ली,

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि जनवरी में भारतीय क्रूड बास्केट की कीमत करीब 63 डॉलर प्रति बैरल थी, जो मार्च में 113 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई। अप्रैल में इसका औसत मूल्य लगभग 116 डॉलर प्रति बैरल दर्ज किया गया है। वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद सरकार ने कहा कि देश में ईंधन की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें पड़ोसी देशों की तुलना में अब भी सबसे कम स्तरों में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता सामान्य है और किसी भी वितरक के यहां कमी की शिकायत नहीं मिली है। वर्तमान में गैस सिलेंडर डिलीवरी दक्षता 93 प्रतिशत है। ऑनलाइन बुकिंग में गिरावट है। यह फिलहाल 45 से 46 लाख प्रतिदिन के दायरे में है। कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह बहाल हो चुकी है।

- कच्चे तेल के लिए विश्व में हाहाकार

छोटे सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ाई

सरकार ने प्रवासी आबादी को राहत देने के लिए पांच किलो वाले छोटे सिलेंडरों की उपलब्धता भी बढ़ाई है। 3 अप्रैल से अब तक 7,400 जागरूकता शिविर लगाए गए हैं और 1.07 लाख से अधिक छोटे सिलेंडर बेचे जा चुके हैं।

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता

देश में फिलहाल सबसे कम कीमतें

शर्मा ने एक अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में कहा कि अगर आप देखें तो जनवरी में हमारा इंडियन क्रूड बास्केट लगभग 63 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल था. जो मार्च में बढ़कर 113 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया और अप्रैल में औसतन लगभग 116 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल है। वैश्विक कीमतों में तेज बढ़ोतरी और अस्थिरता के बावजूद भारत पड़ोसी देशों की तुलना में अभी भी अपेक्षाकृत कम ईंधन कीमत बनाए हुए है।

आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित बनाने सभी कदम उठा रहे

पशुपालन एवं डेयरी विभाग की निदेशक पूजा रुस्तगी ने अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में बताया कि डेयरी क्षेत्र को ईंधन, गैस और प्लास्टिक पैकेजिंग सामग्री की आपूर्ति से जुड़ी कोई समस्या नहीं है। उन्होंने कहा कि उत्पादन, परिवहन और वितरण व्यवस्था सामान्य रूप से जारी है। सरकार ने स्पष्ट किया कि पश्चिम एशिया संकट के असर पर लगातार नजर रखी जा रही है और घरेलू ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित बनाए रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

प्राकृतिक गैस की आपूर्ति आसान

प्राकृतिक गैस आपूर्ति को लेकर भी सरकार ने स्थिति सामान्य बताई है। घरेलू पीएनजी और सीएनजी परिवहन की आपूर्ति 100 प्रतिशत बनाए रखी गई है। अब तक 5.68 लाख नए उपभोक्ताओं को पीएनजी कनेक्शन दिए गए हैं, जबकि 39,400 से अधिक उपभोक्ताओं ने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर पीएनजी अपनाया है। देशभर के पेट्रोल पंपों पर किसी भी उत्पाद की कमी नहीं है। रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है। अनियमितताओं को रोकने 2,200 से अधिक औचक निरीक्षण और छापेमारी भी की गई।

पेट्रोल की टेंशन जल्द होगी खत्म

85 प्रतिशत इथेनॉल से चलने वाली गाड़ियां दौड़ेंगी

दुनिया भर में जियोपॉलिटिकल तनाव और कच्चे तेल की लगातार बदलती कीमतों का सीधा असर हमारी जेब पर पड़ता है। अब इस बढ़ती अनिश्चितता को जड़ से खत्म करने और महंगे विदेशी तेल पर देश की भारी निर्भरता को घटाने के लिए सरकार एक दूरगामी दांव चलने जा रही है। भारत में अब 'फ्लेक्स-फ्यूल' से चलने वाले अत्याधुनिक वाहनों को तेजी से सड़कों पर उतारने की बड़ी तैयारी हो रही है। यह वो गाड़ियां होंगी जो ई-85 (ई85) ईंधन पर दौड़ सकेंगी, जिसमें 85 प्रतिशत इथेनॉल और केवल 15 प्रतिशत पेट्रोल का मिला होगा।

बाजार में डर कायम

युद्धविराम समझौते के चलते कीमतों में थोड़ी नरमी है, लेकिन सप्लाई चेन के रुकने का डर अभी भी पूरे बाजार में बना हुआ है। 'हर्मुज' ने इस ऊर्जा चिंता को और ज्यादा गहरा कर दिया है।

वेणुगोपाल ने बिरला को लिखा पत्र

पीएम मोदी के खिलाफ दिया विशेषाधिकार हनन का नोटिस

विपक्ष की आलोचना पर भड़के वेणुगोपाल स्पीकर से की मांग

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को विशेषाधिकार हनन (प्रिविलेज नोटिस) दिया है। अपने पत्र में वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने 18 अप्रैल 2026 को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में लोकसभा के सदस्यों पर आपत्तिजनक टिप्पणी की और उनके इरादों पर सवाल उठाए। कांग्रेस का कहना है कि यह संसद की गरिमा और सांसदों के अधिकारों का उल्लंघन है।पीएम मोदी का यह संबोधन उस समय हुआ जब लोकसभा में संविधान (131वां संशोधन) विधेयक 2026 पारित नहीं हो सका था। कांग्रेस का आरोप है कि इस भाषण में प्रधानमंत्री ने विपक्षी सांसदों के मतदान और उनकी मंशा को लेकर सीधे तौर पर टिप्पणियां कीं।

संसद और लोकतंत्र की गरिमा से जुड़ा मामला

पीएम मोदी के खिलाफ लिखे इस पत्र में वेणुगोपाल ने पूरे मामले को बेहद गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि यह मामला बेहद गंभीर है क्योंकि यह सिर्फ किसी व्यक्ति पर हमला नहीं, बल्कि संसद और लोकतंत्र की गरिमा से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से तुरंत कार्रवाई की मांग की है।

इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि सांसदों के अधिकारों की रक्षा और संसद की गरिमा बनाए रखना जरूरी है, ताकि भविष्य में ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति न हो। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भी इस मुद्दे पर कहा कि प्रधानमंत्री का यह संबोधन पहले से तय परंपराओं के खिलाफ था और इसमें विपक्ष पर कई राजनीतिक हमले किए गए।

प्रधानमंत्री ने विपक्ष की आलोचना की थी

केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण से जुड़े 3 विधेयकों को पास कराने के लिए 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया था, जिस पर लंबी बहस हुई। शुक्रवार को शाम 5 बजे के बाद हुए मतदान में इसे जरूरी 2 तिहाई वोट नहीं मिल सके और यह प्रस्ताव गिर गया। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने 18 अप्रैल को रात साढ़े 8 बजे दूरदर्शन पर 'राष्ट्र के नाम संबोधन' किया, जिसमें विपक्षी सांसदों की आलोचना की थी।

केरलम के त्रिशूर में पटाखा गोदाम में आग

13 लोगों की मौत, कई की हालत गंभीर, प्रधानमंत्री ने दुख जताया

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केरलम के त्रिशूर जिले में वडक्कनचेरी नगर पालिका के तहत मुंडाथिकोड गांव में पटाखा गोदाम में आग लग गई। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार घटनास्थल से कई लोगों को बचाया गया है। घायलों में से 5 लोगों का क्रिटिकल केयर में इलाज चल रहा है। 2 घायलों को वार्ड में भर्ती किया गया है, जबकि 17 अन्य को मामूली चोटें आई हैं। केरलम में यह घटना मथलप्पिल्ली तालुक के मुंडाथिकोड गांव में हुई है। हादसे के वक्त 40 लोग काम कर रहे थे। इस पर पीएम मोदी ने दुख जताया है।

सुप्रीम कोर्ट में केरल के सबरीमाला मंदिर के मामले में सुनवाई

भक्त को देव मूर्ति छूने से रोका तो संविधान करेगा रक्षा?

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

सुप्रीम कोर्ट में केरल के सबरीमाला मंदिर समेत विभिन्न धर्मों और धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ कथित भेदभाव से जुड़े मामलों पर सुनवाई जारी है। कोर्ट ने 9 न्यायाधीशों की संविधान पीठ का गठन किया है, जो 2018 के फैसले के खिलाफ दायर समीक्षा याचिकाओं पर विचार कर रही है।

9 न्यायाधीशों की संविधान पीठ कर रही विचार

समय का सख्ती से पालन हो

सुनवाई के पहले दिन संविधान पीठ ने स्पष्ट किया कि सभी पक्षकारों को तय समयसीमा के भीतर ही अपनी दलीलें प्रस्तुत करनी होंगी। अदालत ने कहा कि अन्य अहम मामले भी लंबित हैं, इसलिए अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा। सभी वकीलों को अपने तर्क और दस्तावेज समय पर पेश करने के निर्देश दिए गए हैं।

केंद्र सरकार समीक्षा याचिकाओं की समर्थक

बोर्ड ने धर्म की समुदाय-केंद्रित व्याख्या अपनाने की अपील की है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि केंद्र सरकार इन समीक्षा याचिकाओं का समर्थन करती है।

धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े व्यापक सवाल उठे

सबरीमाला मामले के साथ-अदालत अनुच्छेद 25 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता से जुड़े कई अहम मुद्दों की भी जांच कर रही है। इनमें मस्जिदों और दरगाहों में मुस्लिम महिलाओं के प्रवेश, अंतरधार्मिक विवाह के बाद पारसी महिलाओं के अग्नि मंदिर में प्रवेश का अधिकार, बहिष्कार की प्रथाओं की वैधता पर भी सवाल उठे हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल स्कूटी सवार युवती की इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में बीते दिनों अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हुई स्कूटी सवार युवती की मंगलवार दोपहर इलाज के दौरान ट्रामा सेंटर में मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक सरोजनी नगर के गिन्दन खेड़ा स्थित आनंद विहार कॉलोनी निवासी अरुण कुमार सिंह परिवार सहित रहकर सिटी स्टेशन के पास जनरल स्टोर की दुकान चलाते हैं। अरुण कुमार की 25 वर्षीया बेटी शिवानी सिंह ग्रेजुएशन कंप्लीट होने के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। शिवानी 11 अप्रैल को अपने बाबा की दवा लेने के लिए अकेले ही स्कूटी से जा रही थी। तभी रास्ते में सरोजनी नगर स्थित अमौसी एयरपोर्ट के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी स्कूटी में जोरदार ठोकर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। गंभीर हालत में उसे ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया। जहां मंगलवार दोपहर इलाज के दौरान शिवानी की मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के परिवार में उसके पिता अरुण कुमारके अलावा दो बहने और एक भाई है।

सरोजनीनगर में भव्य धर्मोत्सवः सुप्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल देंगे प्रस्तुति - डॉ राजेश्वाए सिंह

डॉ. राजेश्वर सिंह की विशेष पहल : धर्मोत्सव @ सरोजनीनगर के अंतर्गत नटकुर मैदान में भव्य भजन संध्या का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में बुधवार को संस्कृति, श्रद्धा और सामूहिक सहभागिता का अद्वितीय संगम देखने को मिलेगा। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की प्रेरणा से बुधवार, 22 अप्रैल, सायं 5 बजे से 7 बजे तक, नटकुर मैदान में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष अवसर पर देश के सुप्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल अपनी सुमधुर वाणी और लोकप्रिय भजनों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को भक्ति और भावनाओं की दिव्य अनुभूति कराएंगे। धर्मोत्सव @ सरोजनीनगर अभियान के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम भारतीय संस्कृति के संरक्षण, आध्यात्मिक जागरूकता और सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम होगा, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को एक सूत्र में पिरोने का भी कार्य करेगा। यह सरोजनीनगर के सबसे बड़े और समावेशी सांस्कृतिक आयोजनों में से एक बनने जा रहा है।

कन्हैया मित्तल – भक्ति संगीत के सशक्त स्वर

कन्हैया मित्तल भक्ति संगीत की दुनिया का एक प्रतिष्ठित नाम हैं, जो विशेष रूप से खाटू श्याम और बालाजी के भजनों के लिए प्रसिद्ध हैं। मात्र 7 वर्ष की आयु से भजन गायन की

शुरूआत करने वाले मित्तल पिछले 28 वर्षों से भक्ति संगीत की सेवा में समर्पित हैं। उनके लोकप्रिय भजन ₹ओ साँवरे मुझे तेरी जरूरत है₹ और ₹कर लो प्यार श्याम से₹ आज भी जन-जन की आस्था का स्वर बन चुके हैं।

विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह का दृष्टिकोणः

इस आयोजन के संबंध में डॉ. राजेश्वर सिंह का कहना है कि , ₹धर्मोत्सव @ सरोजनीनगर केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी परंपराओं, आस्था और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने का एक सशक्त माध्यम है। संगीत और भक्ति के माध्यम से समाज में सकारात्मक ऊर्जा, नैतिक मूल्यों और आपसी सद्भाव को बढ़ावा देना ही इस पहल का उद्देश्य है। गौरतलब है कि डॉ. सिंह के प्रयासों से पूर्व में सुप्रसिद्ध गायक हनी सिंह अपनी लाइव परफॉर्मेंस दे चुके हैं, इसके अतिरिक्त मेगास्टार संजय दत्त भी रोड शो के माध्यम से ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहित करने का संदेश दे चुके हैं।

सुरक्षा एवं व्यवस्थाएं पूर्णः

कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाने के लिए विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की टीम द्वारा स्थानीय प्रशासन के सहयोग से सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यातायात, सुरक्षा, स्वच्छता एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर विशेष ध्यान दिया गया है, ताकि प्रत्येक आगंतुक को एक सहज और सुखद अनुभव प्राप्त हो। भजन संध्या के माध्यम से सरोजनीनगर एक बार फिर एक यादगार, ऊर्जावान और आध्यात्मिक संगीतमय संध्या के स्वागत के लिए पूर्णतः तैयार है।

ट्रेन के आगे कूदकर बीए के छात्र ने दी जान, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। घर से लखनऊ जाने की बात कहकर निकले छात्र ने रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी स्टेशन मास्टर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। माल थाना क्षेत्र के ग्राम गगन बरौली निवासी नीरज यादव (22) मंगलवार सुबह घर से लखनऊ जाने की बात कहकर निकला था। छात्र ने मलिहाबाद स्टेशन से फरीदीपुर गांव के बीच हरदोई की ओर से आ रही पैसेंजर ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। जिससे शव क्षत विक्षत अवस्था कई भागों में बट गया वहीं स्टेशन मास्टर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव के पास छात्र का एडमिट कार्ड बरामद कर युवक की पहचान कर परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने आत्महत्या की स्पष्ट जानकारी नहीं दे सक नीरज ने इसी वर्ष आईटीआई की परीक्षा उत्तीर्ण की थीं।

मृतक नीरज फाइल – फोटो

और उसका एडमिशन बीए में हरदोई भरावन के एक डिग्री कॉलेज में कराया था। इधर-उधर फॉर्म भरकर नौकरी की तलाश में परीक्षाएं दे रहा था। घर के काम काज में भी हाथ भी बंटाता था। मृतक के परिवार में माता गुड्डी, भाई मान सिंह यादव, दो बहनें किरन, मीना है जिनका रो-रो कर बुरा हाल है। आरपीएफ इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह प्रतीत हो रहा है कि युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी है। इसी दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गया।

चोरों ने जनरल स्टोर का शटर तोड़कर नगदी सहित कीमती सामान किया पार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में बीते दिनों चोरों ने एक जनरल स्टोर का शटर तोड़कर हजारों रुपए की नगदी सहित कीमती सामान चोरी कर लिया।जानकारी होने के बाद पीड़ित ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आलमबाग के प्रेम नगर निवासी कृष्ण मुरारी के मुताबिक शानवी जनरल स्टोर नाम से बिजनौर के अमर शहीद पथ स्थित सपना सिटी कॉलोनी में उनकी दुकान है। कृष्ण मुरारी का कहना है कि रोज की तरह 23 मार्च की देर शाम दुकान बंद कर घर वह चले गए। तभी रात में अज्ञात चोरों ने दुकान का शटर नीचे से उखाड़कर अंदर प्रवेश किया और चोरी की घटना अंजाम देखकर फरार हो गए। अगले दिन सुबह जब वह दुकान खोलने पहुंचे तो दुकान का शटर टूटा होने के साथ अंदर रखा सामान गायब मिला। पीड़ित का कहना है कि दुकान से करीब 10 हजार रुपये का सामान और 4 हजार रुपये की नगदी चोरी हुई है। बाद में पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

फर्जी दस्तावेजों से प्लॉट बेचकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। पीजीआई थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर प्लॉट बेचने के नाम पर ठगी करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से मोबाइल फोन, पैन कार्ड, आधार कार्ड, डेबिट कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार उन्नाव निवासी गायत्री देवी ने जनवरी 2025 में शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ लोगों ने प्लॉट बेचने के नाम पर उनसे रुपये लेकर धोखाधड़ी की और कूटरचित दस्तावेज तैयार किए। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही थी। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि वांछित आरोपी यूनियन बैंक के पास मौजूद है। इस पर टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर सर्वेश कुमार पाण्डेय (36) निवासी रतन खंड, शारदानगर आशियाना को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह प्रॉपर्टी डीलिंग के नाम पर लोगों को झांसा देकर फर्जी कागजात के जरिए ठगी करता था। पुलिस के मुताबिक आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है और उसके खिलाफ पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जनगणना प्रशिक्षण से गैरहाजिर कर्मियों को चेतावनी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। नगर निगम जोन-3 में चल रहे जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जिला प्रशासन ने प्रशिक्षण स्थल का निरीक्षण कर सख्त रुख अपनाया। अलीगंज स्थित गवर्नमेंट आईटीआई कॉलेज में आयोजित इस प्रशिक्षण के पहले दिन चार्ज अधिकारी जनगणना/जोनल अधिकारी जोन 3 श्री मनोज यादव ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अनुपस्थित कर्मियों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहने या जनगणना कार्य से इनकार करने वाले प्रगणक और सुपरवाइजरों के खिलाफ जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 11 के तहत एफआईआर दर्ज की जाएगी। जोनल अधिकारी ने बताया कि जनगणना एक राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन कर्मचारियों को जनगणना कार्य के लिए नियुक्त किया गया है, उनका प्रशिक्षण में शामिल होना अनिवार्य है। जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 11 के अनुसार, यदि कोई नियुक्त अधिकारी बिना उचित कारण अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करता या जानबूझकर लापरवाही करता है, तो उसे 3 साल तक की सजा, जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं। यह एक संज्ञेय अपराध है। नगर निगम जोन-3 क्षेत्र में अलीगंज स्थित गवर्नमेंट आईटीआई कॉलेज में जनगणना प्रगणक और सुपरवाइजरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। जोनल अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर व्यवस्था का निरीक्षण किया और स्पष्ट निर्देश दिए कि अनुपस्थित रहने वाले कर्मियों पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में भोजन और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, इसलिए अनुपस्थिति का कोई बहाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। अनुपस्थित कर्मचारियों के खिलाफ चरणबद्ध कार्रवाई की जाएगी। पहले उन्हें कारण बताओ नोटिस भेजा जाएगा। संतोषजनक जवाब न मिलने पर सेवा नियमों के तहत निलंबन किया जाएगा। लगातार अनुपस्थित रहने या कार्य से बचने पर धारा 11 के तहत एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने 21 अप्रैल 2026 को प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहे सुपरवाइजर और प्रगणकों की सूची जारी की है। इन सभी के खिलाफ कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। सुपरवाइजर में कुरैशिया अब्बासी, अकरम, अतुल जायसवाल, सचिदानन्द, अभिषेक कुमार, सुशील कुमार गुप्ता एवं कविता राज गैर हाजिर रहे। वहीं प्रगणकों में सरिता पटेल, रितांशी शुक्ला, रंजीत सिंह, प्रशांत वर्मा, अरुण कुमार, वंदना पाण्डेय, आशा सक्सेना, विनोद कुमार रावत, विजाल कुमार कश्यप, राहुल कुमार कश्यप, पुलकित सिंह, कुलदीप तिवारी, अंकित सोनवानी, रविन्द्र सिंह, सौरभ वर्मा, संचित कुमार सिंह, सुभाष झा, विकास शर्मा, दीपांकर पटेल, अरुण कुमार सिंह, अभिषेक कुमार गुप्ता, राघवेन्द्र कुमार यादव, सैय्यद हसन अकील, नितीश वर्मा, नरेन्द्र बहादुर सिंह, नवल कुमार भार्गव, विनय कुमार वर्मा, अल्पना, नीरज कुमार गुप्ता, सुमन यादव, अपर्णा गुप्ता, बुशरा प्रवीन, विमलेश शुक्ला, अमितेश अमर, आशीष कुशवाहा, अमित कुमार वर्मा, सुरजीत कुमार, बृजेश कुमार शुक्ला एवं प्रीति देवी।

किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। सरोजनीनगर थाना प्रभारी निरीक्षक राजदेव राम प्रजापति के मुताबिक बीती 23 फरवरी 2026 को मूल रूप से उन्नाव जिले और वर्तमान में सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में रहने वाली पीड़िता के पिता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी करीब साढे 15 साल उम्र की नाबालिग बेटी को दूध देने आने वाला युवक अखिलेश रावत 19 फरवरी को अपने साथ भगा ले गया। मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की। इसके बाद मुखबिर की सूचना पर 15 अप्रैल 2026 को पीड़िता को सकुशल बरामद कर उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया। बाद में जाँच के दौरान पीड़िता के बयान और साक्ष्यों के आधार पर मुकदमे में दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धाराएं भी बढ़ाई गईं। पुलिस पुलिस का कहना है कि इसके बाद आरोपी की तलाश की जा रही थी। तभी मुखबिर की सूचना पर 20 अप्रैल की रात करीब 8:35 बजे बंथरा क्षेत्र से आरोपी अखिलेश रावत उर्फ अखिलेश कुमार (21) को गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मंगलवार को उसे जेल भेज दिया है।

मोहनलालगंज तहसील परिसर में समरसता दिवस कार्यक्रम संपन्न

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मोहनलालगंज तहसील परिसर में अधिवक्ता परिषद, अवध जनपद इकाई लखनऊ के तत्वावधान में समरसता दिवस कार्यक्रम का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर एवं भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन तथा वंदे मातरम्के सामूहिक गायन के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मोहनलालगंज बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री ललित मिश्रा उपस्थित रहे। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता यशवीर सिंह, दिनेश वर्मा, मनोज यादव, उमेश तिवारी, अक्षय लाल एवं सुन्दरलाल धीमान सहित अन्य वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज में समरसता एवं संगठन की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का कुशल संचालन अधिवक्ता परिषद के महामंत्री अवनीश कुमार राय रौनक द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में

देवेश बाजपेयी एवं उद्धव मिश्रा का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में सैकड़ों अधिवक्ता बंधुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे आयोजन अत्यंत सफल एवं प्रभावी रहा। अंत में राष्ट्रगान जन-गण-मन के सामूहिक गायन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला शातिर आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले एक शातिर आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सरोजनीनगर प्रभारी निरीक्षक राजदेव राम प्रजापति के मुताबिक बीते 15 नवंबर 2025 को थाना क्षेत्र की पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि सरोजनीनगर के आजादनगर निवासी उवैश अली से उसकी दोस्ती हुई थी। पीड़िता ने आरोप लगाया कि कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया और घटना का वीडियो भी बना लिया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए और जब पिता ने उसे पर शादी करने का दबाव बनाया तो आरोपी ने शादी से इनकार

कर दिया। साथ ही विरोध करने पर आरोपी ने वीडियो वायरल करने और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस का कहना है की पीड़िता की तहरीर पर मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की गयी। इसके बाद पुलिस टीम आरोपी की तलाश में जुटी गयी। तभी मुखबिर की सूचना पर मंगलवार को कामर्शियल तिराहे के पास से आरोपी उवैश अली (24) को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उसके पास से घटना में प्रयुक्त एक रेडमी 5जी मोबाइल फोन भी बरामद किया है। पुलिस टीम में निरीक्षक सुरेश नारायण मिश्रा व कांस्टेबल सतेन्द्र सिंह शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि आरोपी को गिरफ्तार कर मंगलवार को उसे जेल भेज दिया गया है।

21 परियोजनाओं से संवरेंगे लखनऊ के धार्मिक स्थल, 34.89 करोड़ मंजूर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के प्राचीन एवं धार्मिक महत्व वाले स्थलों के पर्यटन विकास के लिए राज्य सरकार ने बड़ी पहल की है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत राज्य योजना में 3489 लाख रुपये की लागत से 21 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। इन परियोजनाओं के माध्यम से शहर के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में स्थित धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का सौंदर्यीकरण एवं बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इन सभी परियोजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए यूपीएसटीडीसी, यूपीपीसीएल, सीएनडीएस तथा यूपी राजकीय निर्माण निगम को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को निर्देशित किया है कि निर्माण कार्य गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने बताया कि मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र के शीतला माता मंदिर के लिए 65 लाख रुपये, लखनऊ पश्चिम के चौक स्थित भुवनेश्वर महादेव मंदिर के लिए 63 लाख रुपये, लखनऊ कैंट क्षेत्र के प्राचीन शिव मंदिर के लिए 70 लाख रुपये, बीकेटी क्षेत्र के मां कालिका देवी मंदिर के लिए 30 लाख रुपये तथा सरोजनीनगर क्षेत्र के श्री महादेव जलसाईं नाथ मंदिर के लिए 60 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसी क्रम में ज्वाला मां मंदिर (सरोजनीनगर) के लिए 36 लाख रुपये, घटघटा बाबा देव स्थान (मलिहाबाद) के लिए 12 लाख रुपये, मा. कांशीराम पर्यटन प्रबंधन संस्थान के उच्चीकरण के लिए 327 लाख रुपये, मोहनलालगंज स्थित हुलासा खेड़ा के विकास के लिए 600 लाख रुपये तथा सरोजनीनगर में नौसेना सौर्य संग्रहालय निर्माण के लिए 907 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके अलावा चारबाग स्थित रवीन्द्रालय के लिए 1 करोड़ रुपये, संत रविदास मंदिर (बाराबिरवा) के लिए 60 लाख रुपये, इंदिरानगर स्थित दिगम्बर जैन मंदिर के लिए 46 लाख रुपये, कठवारा में ग्रामीण पर्यटन विकास के लिए 2 लाख रुपये तथा राजाजीपुरम स्थित श्रीराम सेवा समिति परिसर में यात्री सुविधाओं के लिए 145 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। बख्शी का तालाब क्षेत्र के छोहरिया माता मंदिर के लिए 86 लाख रुपये, श्री हनुमान छाछा कुआं मंदिर के लिए 92 लाख रुपये, बड़ी काली माता मंदिर के लिए 170 लाख रुपये, भुइयन देवी मंदिर में यात्री हाल निर्माण के लिए 68 लाख रुपये तथा रूपपुर खदरा स्थित भगवान श्रीचंद्र तपोस्थली के लिए 50 लाख रुपये भी मंजूर किए गए हैं।

सड़क हादसे में कार की टक्कर से शटरिंग कारीगर की मौत, साथी घायल

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। बीती देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा रहीमाबाद के राधे लाल ढाबे के सामने करीब रात दो बजे हुआ। जानकारी के अनुसार, रॉन्ग साइड में जा रहे बाइक सवारों को संडीला की ओर से आ रही तेज रफ़्तार कार ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में माल थाना क्षेत्र के चमरखेड़ा गांव निवासी शटरिंग कारीगर मोनू गौतम (23) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हरदोई के

मृतक मोनू फाइल – फोटो

ढिकुन्नी निवासी रवि गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल रवि को पुलिस ने तत्काल ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया है। मृतक के पिता संजय ने बताया कि मोनू सोमवार शाम रहीमाबाद थाना क्षेत्र के कुटी गांव में एक रिश्तेदारी में तिलक समारोह में शामिल होने के लिए घर से निकला था। देर रात उसके मोबाइल से ही हादसे की सूचना मिली। पुलिस के मुताबिक, दोनों युवक संडीला की ओर जा रहे थे, तभी सामने से आ रही कार ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मलिहाबाद पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मोनू को मृत घोषित कर दिया। मृतक मोनू के परिवार में मां सरिता देवी व बड़ा भाई राहुल हैं। जिनका रो-रो कर बुरा हाल है। रहीमाबाद कार्यवाहक थानाध्यक्ष उमेश यादव ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से कार की पहचान कर ली गई है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विभिन्न पाठ्यक्रमों में 2,326 सीटों की वृद्धि को दी मंजूरी : प्रो. जेपी सैनी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में मंगलवार को कुलपति प्रो. जेपी सैनी की अध्यक्षता में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में शैक्षणिक, प्रशासनिक और अधोसंरचनात्मक सुधारों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रो. सैनी ने बताया कि विवि ने 11 नये स्नातक कार्यक्रम, 10 स्नातकोत्तर कार्यक्रम और 22 माइनर डिग्री विकल्पों की शुरूआत की है। इसके अतिरिक्त पांच सह-पाठ्यक्रम एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किए गए हैं। ये सभी पहलें उभरती हुई शैक्षणिक और औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप हैं, जिनमें रोजगारपरकता और अंतर्विषयक अध्ययन पर विशेष बल दिया गया है। कुलपति प्रो. सैनी ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और भारतीय ज्ञान परंपरा को शैक्षणिक फोकस में लाया गया है, ताकि पारंपरिक ज्ञान ढांचे को आधुनिक शिक्षा से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि नए शैक्षणिक ढांचे की प्रमुख विशेषता माइनर डिग्री कार्यक्रमों का विस्तार है। छात्र अपने मुख्य स्नातक पाठ्यक्रम के साथ-साथ अतिरिक्त योग्यता के रूप में इन माइनर डिग्री को चुन सकेंगे। वे दूसरे वर्ष से माइनर प्रारंभ कर 20 क्रेडिट अपनी गति से पूर्ण कर सकते हैं। यह पहल विशेष रूप से उन छात्रों के लिए है जिनकी बौद्धिक रुचियां विविध हैं और जो तेजी से सीखने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने प्रवेश प्रक्रिया और सीट वृद्धि की जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 2,326 सीटों की वृद्धि को मंजूरी दी है। साथ ही, पेशेवर पाठ्यक्रमों में प्रवेश को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप किया जा रहा है–एलएलबी प्रवेश अब कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट) से और एमबीए प्रवेश कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) से होंगे।

बेहता नाले में नहाने गए बालक की डूबकर मौत

रहीमाबाद के खड़ौंहां गांव की घटना

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। दोस्तों के साथ बेहता नाले में नहाने गए एक दस वर्षीय बालक की डूबने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजन व स्थानीय लोगों ने बेहता नाले में उतरकर खोजबीन शुरू की। कुछ देर बाद बालक को पानी से बाहर निकाला गया और आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। लखनऊ जनपद के ठाकुरगंज के कैंपवेल रोड, यासीनगंज निवासी राधेश्याम के पुत्र रवि (10) बीते 19 अप्रैल को अपने नाना रामदीन के घर मौसी कल्पना की शादी में रहीमाबाद के खड़ौंहां गांव आया था। मंगलवार

मृतक रवि फाइल – फोटो

दोपहर को व मोहल्ले के तीन दोस्तों के साथ गांव के किनारे स्थित बेहता नाले में नहाने गया था। नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूब गया। साथियों को पहले इसका आभास नहीं हुआ। साथियों द्वारा सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजन व स्थानीय लोगों ने बेहता में उतरकर खोजबीन शुरू की। कुछ देर बाद बालक को पानी से बाहर निकाला गया और आनन-फानन में उसे लखनऊ के अस्पताल में पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के परिवार में माता नीरा, भाई अभिषेक, दो बहनें मानसी, नैन्सी है जिनका रो-रो कर बुरा हाल है।

तैरना नहीं जानते थे बालक

ग्रामीणों ने बताया कि रवि और उसके साथी तैरना नहीं जानते थे। अगर इनमें से कोई तैरना जानता होता तो शायद रवि की जान बच सकती थी। बेटे की मौत से परिवार में मातम छाया है।

संक्षेप

ट्रक ने साइकिल सवार मजदूर को मारी टक्कर हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। थाना दही क्षेत्र में वर्कशॉप मोड़ के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने साइकिल सवार मजदूर को टक्कर मार दी। इस हादसे में मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।घायल मजदूर एग्रो फूड कंपनी में धनंजय नामक व्यक्ति के यहां काम करता है। घटना की सूचना मिलने पर उसके परिजन भी जिला अस्पताल पहुंच गए हैं।पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हादसे के बाद फैक्ट्री की ओर से केवल आश्वासन दिया गया है, लेकिन अभी तक कोई ठोस मदद नहीं मिली है। बताया जा रहा है कि घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि ट्रक की पहचान कर चालक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

तीन बच्चों की मां अपने पुरुष मित्र के साथ हुई रफूचक्कर

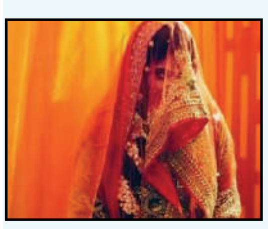

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र में तीन बच्चों की मां पति और बच्चों को छोड़ कर अपने पुरुष मित्र के साथ रफूचक्कर हो गयी शाम को पति घर पहुंचा तो बच्चे घर के बाहर बैठे हुए रो रहे थे जिस पर उसने नाते रिश्तेदारों से लेकर आसपास के गांवों में खोज बीन की लेकिन कहीं पता नहीं चला तो पुलिस को तहरीर दी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी गयी तहरीर में आरोप लगाया कि बीघा पुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती के साथ शादी हुई थी जिससे तीन बच्चे हैं और वह मजदूरी करता है शनिवार को वह काम करने के लिए बाहर गया था इसी बीच पत्नी बच्चों को बिना बताए घर से चली गयी शाम को वह घर पहुंचा तो बच्चों ने बताया कि मां गायब हो गयी है जिस पर उसने खोज बीन की और ससुराल में भी जानकारी की लेकिन कोई पता नहीं चला इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

नवाचार, समर्पण और परिणामों से जनपद के शिक्षकों ने बनाई अलग पहचान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा (ठटटर) में उत्कृष्ट प्रदर्शन और नवाचारी शैक्षिक गतिविधियों के लिए जनपद उन्नाव के आठ शिक्षकों को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया। लखनऊ के इंदिरानगर स्थित रानी लक्ष्मीबाई मेमोरियल पब्लिक स्कूल में आयोजित समारोह में उन्नाव के शिक्षकों ने अपनी उपलब्धियों से जनपद का गौरव बढ़ाया।

समारोह का आयोजन कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, प्रयागराज के प्राचार्य अजय सिंह के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में पूर्व निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तर प्रदेश सर्वेंद्र विक्रम बहादुर सिंह, शिक्षा निदेशक (बेसिक शिक्षा), प्रोफेसर छत्रसाल सिंह (राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज), उप शिक्षा निदेशक सूर्य प्रकाश जायसवाल (कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, लखनऊ), आगरा डाइट प्रवक्ता मनोज वार्ष्णेय सहित बीईओ प्रीति शुक्ला, धर्मेंद्र कटियार एवं मनोज बोस की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार करने और ठटटर परीक्षा में अधिकाधिक चयन सुनिश्चित करने वाले विद्यालयों से एक-एक शिक्षक को सम्मानित किया गया। जनपद उन्नाव से औरास क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गढ़ौवा के शिक्षक प्रदीप कुमार वर्मा व एसआरजी अखिलेश चंद्र शुक्ला को परीक्षा के प्रचार-प्रसार एवं शैक्षिक गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

उन्नाव के अन्य सम्मानित शिक्षकों में रविशंकर, अशोक कुमार, गंगा रतन, अवनींद्र सिंह, शिवम और नीरज शामिल रहे, जिन्होंने अपने विद्यालयों से बेहतर चयन सुनिश्चित कर जनपद का मान बढ़ाया।

कार्यक्रम में डायट आगरा के प्रवक्ता डॉ मनोज वार्ष्णेय, बीईओ मनोज बोस, संतोष खरे, शैलेन्द्र संखधर, प्रदीप कुमार वर्मा, अखिलेश शुक्ल, आकाश अग्रवाल, जय शंकर, संतोष कुमार, प्रकाश तिवारी, जीतेन्द्र सिंह, सुरेश जायसवाल, विनोद कुमार, प्रवीण कुमार, संजीव संखवार, विद्या सागर मिश्र सहित कई शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता रही।

प्रदीप कुमार वर्मा ने कहा कि जनपद के शिक्षकों की यह उपलब्धि विद्यार्थियों को नई दिशा देने के साथ ही विद्यालयों में सकारात्मक एवं प्रेरणादायक वातावरण तैयार कर रही है। वहीं डॉ मनोज वार्ष्णेय ने बताया कि शिक्षकों के निरंतर एवं सामूहिक प्रयासों से सभी जनपद में ठटटर परीक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है और परिणामों में भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है।

करोड़ों की लागत से बने खेल मैदान हुए जर्जर

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सिकंदरपुर सरोसी ब्लॉक में मनरेगा और राज वित्त योजना के तहत निर्मित खेल मैदानों की स्थिति चिंताजनक है। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार ये मैदान रखरखाव के अभाव में जर्जर हो गए हैं। इनमें से कुछ का उद्घाटन हो चुका है, जबकि एक पार्क पिछले एक साल से लोकार्पण का इंतजार कर रहा है।

जानकारी के अनुसार, मनरेगा के तहत बनाए गए चार खेल मैदानों का उद्घाटन तो कर दिया गया था, लेकिन उसके बाद उनकी देखरेख के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई। नतीजतन, इन मैदानों में घास उग आई है, खेल उपकरण खराब हो चुके हैं और कई जगह गंदगी का अंबार लगा है। इससे स्थानीय खिलाड़ियों और युवाओं को अभ्यास के लिए उचित सुविधा नहीं मिल पा रही है।वहीं, राज वित्त से तैयार एक खेल मैदान पूरी तरह बनकर तैयार है, लेकिन बीते एक साल से उसका उद्घाटन नहीं हुआ है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि निर्माण पूरा होने के बावजूद मैदान का उपयोग न हो पाना प्रशासनिक लापरवाही को दशार्ता है। युवाओं में खेल के लिए उचित स्थान न मिलने से निराशा है।

बताया जाता है कि तत्कालीन मुख्य विकास अधिकारी के कार्यकाल में जिले में बड़ी संख्या में खेल मैदानों का निर्माण शुरू हुआ था। हालांकि, उनके स्थानांतरण के बाद कई परियोजनाएं अधूरी रह गईं या उनका उद्घाटन नहीं हो पाया, जिससे सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर सवाल उठ रहे हैं।मामले की गंभीरता को देखते हुए, सिकंदरपुर सरोसी के प्रभारी खंड विकास अधिकारी (इऊड) देव कुमार चतुर्वेदी ने हस्तक्षेप किया है। उन्हों- संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि लंबित पड़े पार्क और खेल मैदानों का जल्द से जल्द उद्घाटन कराया जाए और उनकी स्थिति सुधारने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

स्थानीय ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद इन मैदानों को जल्द ही आम जनता और खिलाड़ियों के लिए खोल दिया जाएगा। कि केवल उद्घाटन ही नहीं, बल्कि इनके नियमित रख-रखाव के लिए भी स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

भीषण गर्मी में जनगणना ड्यूटी का शिक्षकों ने किया विरोध

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। भीषण गर्मी में लगाई जा रही जनगणना ड्यूटी के विरोध में शिक्षकों का गुस्सा भड़क उठा है प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन के बैनर तले शिक्षकों ने संगठित होकर इसका विरोध करना प्रारंभ कर दिया हैइसमें शिक्षकों द्वारा प्रतिकर अवकाश की मांग भी एक प्रमुख मुद्दा रहो

ब्लाक सफीपुर के शिक्षकों ने शिक्षक नेता संजीव संख्वार व अमित तिवारी के नेतृत्व में ग्राम ददलहा में एकत्र होकर भीषण गर्मी में करवाइ जा रहीं जनगणना का विरोध करते हुए कहा कि भीषण गर्मी (42-45त्उ) और लू के बीच जनगणना 2027 की ड्यूटी को लेकर शिक्षकों और कर्मचारियों में भारी रोष है।लगातार भीषण गर्मी और लू के चलते कर्मचारियों को डिहाइड्रेशन, चक्कर आने और गर्मी से संबंधित बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है।इसके अलावा शिक्षकों ने बीएलओ और जनगणना कार्य में ड्यूटी लगाने पर प्रतिकर अवकाश की मांग की है।सभा में संजीव संख्वार (जिलाध्यक्ष), अमित तिवारी (जिला कोषाध्यक्ष), ज्ञानेन्द्र कुशवाहा (ब्लाक संरक्षक),आंचल शुक्ला, ऋतु त्रिवेदी, आकांक्षा, अर्चना,राजवीर यादव, आशुतोष वर्मा,सुधीर कुशवाहा, देवेन्द्र त्रिपाठी, सौरभ वैश्व, कमल दीप, सौरभ तिवारी,पवन,रोली सोनकर, नरेंद्र यादव आदि शिक्षक मौजूद रहे

गंगा नदी के बढ़ते कटान को देखते सिंचाई विभाग ने चलाया एक अभियान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शुक्लागंज स्थित गंगाघाट क्षेत्र में गंगा नदी के बढ़ते कटान को रोकने के लिए सिंचाई विभाग ने एक विशेष अभियान शुरू किया है। लगभग 350 मीटर लंबाई में कटान निरोधक कार्य की विस्तृत योजना तैयार की गई है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य आसपास के रिहायशी इलाकों, घाटों और संपर्क मार्गों को सुरक्षित करना है, जो हर साल कटान से प्रभावित होते थे।अधिकारियों के अनुसार, कानपुर छोर पर चल रहे पुल निर्माण के कारण गंगा की मुख्य धारा शुक्लागंज की ओर मुड़ गई है।इससे इस क्षेत्र में पानी का वेग काफी बढ़ गया है, जो तटों के कटान का प्रमुख कारण बन रहा है। तेज बहाव के कारण कार्य में तकनीकी चुनौतियां भी आ रही हैं, लेकिन विभाग की टीमें लगातार मौके पर डटी हुई हैं और काम को तेजी से आगे बढ़ा रही हैं।कटान रोकने के लिए आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। सबसे पहले नदी के भीतर मजबूत आधार तैयार किया जा रहा है। इसके लिए बड़े पैमाने पर जियो बैग डाले जा रहे हैं। अब तक लगभग डेढ़ लाख जियो बैग लगाए जा चुके हैं, जिन्हें वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्थित किया जा रहा है ताकि वे पानी के तेज दबाव को सहन कर सकें और मिट्टी के कटाव को प्रभावी रूप से रोक सकें।कार्य को समय पर पूरा करने के लिए गंगा नदी में चार ड्रेजिंग मशीनें भी लगाई गई हैं। इन मशीनों की मदद से नदी की तलहटी को समतल किया जा रहा है और निर्धारित गहराई तक खुदाई कर आधार को मजबूत किया जा रहा है। विभाग ने बताया कि मशीनों और श्रमिकों के बेहतर समन्वय से कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।

विद्युत शार्ट सर्किट से गेहूं की फसल जलकर राख

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव।बिहार थाना क्षेत्र के ग्राम चैनपुर व तौधकपुर मे गेहूं की फसल में बिजली के सार्ट सर्किट से लगी आग से करीब डेढ़ बीघा गेहूं की फसल व चार बीघा गेहूं की पराली जल गई । वही अन्य किसानो की खेतों मे गेहूं पड़ी पराली भी जल गई ।मंगलवार को दोपहर चैनपुर ल तौधकपुर के बीच गेहूं के खेतों मे बिजली के सार्ट सर्किट से आग लग गई ।आग सर्वप्रथम कल्लू सिंह के खेत से लगी जिसमें पूर्व प्रधान कमलेश पाण्डेय की डेढ़ बीघा गेहूं की खडी.फसल व सुधीर सिंह और सुशीला सिंह की करीब चार बीघे की पराली जल गई ।जिससे किसानों का भारी नुकसान हो गया ?। आग इतनी विकराल रुप से खेतों मे फैली आग पर ग्रामीणों द्वारा काबू न पाने पर फायर ब्रिगेड को सूचना दिया । मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड व पुलिस और ग्रामीणों ने मिलकर बड़ी मसक्कत से आग पर काबू पाया ।किसानों के अनुसार कल्लू सिंह के खेत के पास रखे ट्रांसफार्मर में शार्ट सर्किट से आग फैली।खेत जलने की सूचना पाकर राजस्व लेखपाल ने मौके पर पहुंच कर लगीआग से फसल के नुकसान का आकलन किया । लेखपाल सुलभ शुक्ला ने बताया कि रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी ।इस सम्बन्ध मे जानकारी करने पर उपजिलाधिकारी रनवीर सिंह ने बताया कि राजस्व लेखपाल को मौके पर भेजा गया है नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी ।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। आगामी जनगणना के प्रथम चरण को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से नगर पालिका सभागार में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।शिविर के प्रथम दिन प्रगणक एवं सुपरवाइजरों को मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया, ताकि जनगणना कार्य को पूरी सटीकता और पारदर्शिता के साथ पूरा किया जा सके।

प्रशिक्षण के दौरान उप जिला अधिकारी बृजमोहन शुक्ला ने कहा कि जनगणना देश की सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रियाओं में से एक है, जिसके आधार पर विभिन्न सरकारी योजनाओं और नीतियों का निर्माण होता है। उन्होंने सभी प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों से अपेक्षा की कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और सावधानीपूर्वक करें। उन्होंने मकान सूचीकरण के दौरान प्रत्येक घर की सही जानकारी दर्ज करने और किसी भी प्रकार की त्रुटि से बचने के निर्देश दिए।

प्रशिक्षक ताहिर अली काजमी ने बताया कि आगामी 22 मई से 30 जून तक प्रथम चरण के इस कार्य को पूर्ण करना है।उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण उन्हें जनगणना के कार्य में दक्ष बनाएगा और फील्ड में आने वाली चुनौतियों से निपटने में सहायक सिद्ध होगा।उन्होंने सभी से समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने पर जोर दिया।

शिविर में प्रशिक्षणार्थियों को प्रपत्र भरने की प्रक्रिया, आंकड़ों के संकलन, सत्यापन तथा डिजिटल माध्यमों के उपयोग की भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी गुंजन गुप्ता , वीरेंद्र पाल व शिव स्वरूप दुबे एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण शिविर में आज एक संवेदनशील पहलू सामने आया।जहां कई महिला कर्मचारी अपनी गोद में दो से छह माह के मासूम बच्चों को लेकर प्रशिक्षण में शामिल हुईं। भीषण गर्मी के बीच इस तरह कार्य करना उनके लिए अत्यंत कठिन साबित हो रहा है। वहीं कुछ कर्मचारी अस्वस्थ होने के बावजूद ड्यूटी निभाने को मजबूर दिखे। नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर कर्मचारियों ने कहा कि जिम्मेदारी निभाना उनकी मजबूरी है।लेकिन प्रशासन को उनकी परिस्थितियों को समझते हुए संवेदनशील रवैया अपनाना चाहिए । ताकि कार्य के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य और बच्चों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके।

घर से लापता महिला का आम के बाग में पड़ा मिला शव

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव।एक दिन पूर्व घर से निकली कस्बे की अधेड़ महिला का पांच किलोमीटर दूर निहालपुर गांव में शव मिलने से सनसनी फैल गई।फॉरेंसिक टीम के साथ एएसपी,सीओ मौके पर पहुंच घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया।परिजनों ने शराब का लती बताते हुए किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।सफीपुर कस्बे के मोहल्ला सराय मुबारक अली निवासी कमलेश मजदूरी के सिलसिले में कस्बे से बाहर रहता है।उसकी 50 वर्षीय पत्नी फूल दुलारी बच्चों के साथ गुजर बसर करती थी।सोमवार सुबह किसी काम की बात कह कर फूल दुलारी घर से निकली थी,लेकिन वह वापस घर नहीं लौटी।अक्सर उसके घर से बाहर रहने की आदत से परिजनों ने भी कोई खोज खबर नहीं की।मंगलवार सुबह कस्बे से पांच किलोमीटर दूर कोतवाली क्षेत्र के ही निहालपुर गांव के बाहर ग्रामीणों ने आम के बाग में एक महिला का शव पड़ा देख पुलिस को सूचना दी। शव की सूचना पर एएसपी शैलेन्द्र कुमार सीओ सोनम सिंह,प्रशिक्षु आईपीएस संचित शर्मा,प्रभारी एसएन त्रिपाठी फोरेंसिक टीम के घटना स्थल पर पहुंच कर बारीकी से निरीक्षण किया। उधर शव मिलने की जानकारी पर कमलेश लोधी के पुत्र जीतू ने भी मौके पर पहुंच गया उसने मृतका की शिनाख्त अपनी मां फूल दुलारी के रूप में की।जीतू ने बताया कि मां अक्सर शराब पीती थी वह अक्सर कई कई दिन घर से गायब रहती थी। उसकी तहरीर पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतका के तीन पुत्रों जीतू, मिथलेश व दिनेश ,बेटी नीतू व खुशबू का रो रोकर बुरा हाल है। सीओ सोनम सिंह ने बताया कि परिजनों ने कोई आरोप नहीं लगाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

धन्य है विद्युत विभाग घरेलू कनेक्शन एक दिन का बिल 2857 रुपए

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। विधुत विभाग के बिल में गड़बड़ी का ही नतीजा है कि उपभोक्ता स्मार्ट मीटर लगवाने से कतराते है इसी क्रम में नगर के एक उपभोक्ता का 2857 जबकि दूसरे का करीब 658 रुपए एक दिन का बिलजी बिल आ गया दोनो पीड़ितो ने अवर अभियंता को पत्र देकर समस्या निदान की मांग उठाई है।नगर में उपभोक्ताओं के बिजली बिल चौंकाने वाले आते दिख रहे है जिससे तमाम उपभोक्ताओं में असमंजस की स्थित बनी हुई है नगर निवासी मनोज विश्वकर्मा पुत्र रामरतन जो नगर पंचायत के नामित सदस्य भी है इन्होंने अवर अभियंता उपखंड बांगरमऊ के नाम पत्र देकर बिजली बिल गलत आने की जानकारी देते हुए कार्यवाही की मांग की है पीड़ित मनोज के अनुसार उनके मोबाइल में विधुत विभाग की तरफ से 12 अप्रैल को मैसेज आया जिसमें 158 रुपए शेष राशि बताते हुए रिचार्ज कराने की चेतावनी दी गई किंतु इसके अगले दिन 13 अप्रैल को जमा राशि 158 भी कट गई इसके अलावा 2698 रुपए निगेटिव बैलेंस का मैसेज पहुंच गया तथा तत्काल जमा करने का निर्देश दिया गया जिसके बाद पीड़ित ने अवर अभियंता को पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। इसी तरह उपभोक्ता प्रमोद के फोन में बीते 12 अप्रैल को विभाग की तरफ से आए मैसेज में माइंनस 31 रुपए का बिल था किंतु अगले दिन 13 अप्रैल को 698 रुपए निगेटिव में बता रहा है जिससे इनका भी एक दिन का बिल 658 रुपए आ गया इन्होंने भी इसे गड़बड़ी बताते हुए अवर अभियंता को पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। ज्ञात हो स्मार्ट मीटर लगने के बाद कुछ मीटरों में बिल की गड़बड़ी का मामला प्रकाश में आया जिससे आमजन के हृदय में डर बैठा हुआ है कि विभाग द्वारा लगाए जा रहे नए स्मार्ट मीटर में कुछ गड़बड़ है जिससे तमाम लोग नए मीटर लगवाने का विरोध करते है तो विभागीय कर्मियों से मतभेद की स्थित बन जाती है इन नए मामलों ने एक बार पुनः उपभोक्ताओं के मन में मीटर गड़बड़ी वाला दर्द पुनः जागृत कर दिया है।

उम्मीद परियोजना के अंतर्गत सम्पन्न हुई अन्तर्विभागीय समन्वय बैठक

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। परिवार नियोजन की सेवाओं की पहुँच तथा गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के मार्गदर्शन में मोबियस फाउंडेशन की वित्तीय सहायता से पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा उम्मीद परियोजना का संचालन किया जा रहा है जिसको लेकर हिलौली ब्लाक परिसर में बैठक आयोजित हुई।

हिलौली खण्ड विकास अधिकारी डॉ संतोष कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता सभी विभागों के साथ ब्लॉक समन्वय समिति की बैठक की गयी। बैठक में प्रमुख रुप से स्वास्थ्य विभाग (नोडल विभाग), पंचायती राज विभाग, शिक्षा विभाग, आई.सी.डी.एस. एवं एन आर एल एम विभाग की प्रतिभागिता रही। बैठक में पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इण्डिया से कपिल श्रीवास्तव ने सभी का स्वागत करते हुए उम्मीद परियोजना के अंतर्गत कार्यक्रम की प्रगति को साझा किया। जिसमें विद्यालयों में गतिविधियाँ, समूह बैठक, स्वास्थ्य मेला, हस्ताक्षर अभियान, शपथ कार्यक्रम आदि के द्वारा जन-जागरुकता कार्य किया जा रहा है। बैठक में अधीक्षक डॉ. दीपक वर्मा ने कहा कि सभी विभागों के साझा प्रयास द्वारा दी जा रही सेवाओं का लाभ समुदाय में सही से पहुंचे इसके लिए इस बैठक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है, कि परिवार नियोजन कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी विभागों का समन्वय आवश्यक है, निश्चय ही इस प्रयास से ब्लॉक में कार्यक्रम के प्रगति में तेजी आएगी। ब्लॉक कम्युनिटी प्रोसेस प्रबन्धक ने स्वास्थ्य इकाईयों में परिवार नियोजन सेवाओं की उपलब्धता एवं कार्यक्रम के बारें में विस्तार से बताया, साथ ही किशोर स्वास्थ्य के अंतर्गत विद्यालयों में दी जा रही सेवाओं के बारें में भी चर्चा किया।कार्यक्रम में आगे बताते हुए कपिल श्रीवास्तव ने बताया कि उम्मीद परियोजना का उददेश्य जनपद में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में परिवार नियोजन कॉर्नर की स्थापना करना, आरोग्य मंदिर और उप केंद्रों को परिवार नियोजन किट प्रदान करना, उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं और परामर्श के लिए स्वास्थ्य प्रदाताओं, एएनएम और आशाओं को प्रशिक्षित करना, व्यवहार परिवर्तन (एसबीसीसी) टूल और जॉब एड्स का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए उनके कौशल में सुधार करना, और समुदायों के बीच परिवार कल्याण जागरुकता और स्वीकृति बढ़ाना है।इसके साथ ही कम उम्र में विवाह, किशोर गर्भावस्था, नए तरीकों और पुरुष सहभागिता सहित गर्भनिरोधक विकल्पों के बारे में जागरुकता अभियान आयोजित करना है।कार्यक्रम में मुख्य रुप से बाल विकास परियोजना अधिकारी सुनीता सिंह, उदयवीर सिंह, अब्दुल बासित आदि मौजूद रहे

दो सगी बहनों को भगाने वाले दो युवक गिरफ्तार

औरैया से शाहजहांपुर धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने आई थीं युवतियां

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर , एक धार्मिक कार्यक्रम से दो सगी बहनों को बहला-फुसलाकर भगाने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। युवतियां औरैया जिले की रहने वाली हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को बरेली मोड़ के पास से पकड़ा है। युवतियों के पिता ने 16 अप्रैल को इस संबंध में एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी बेटियों को बहला-फुसलाकर भगाया गया है। इसके बाद पुलिस ने युवतियों की तलाश शुरू की।दरअसल, शाहजहांपुर में एक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें विभिन्न जिलों से लोग शामिल हुए थे। औरैया जिले का एक परिवार भी इस कार्यक्रम में आया था, जिसमें ये दोनों युवतियां भी शामिल थीं। कुछ दिन पहले वे लापता हो गईं। पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के बाद युवतियों के परिवार से जानकारी जुटाई। जांच में सामने आया कि दोनों बहनें दो युवकों के साथ गई थीं। पुलिस ने युवतियों और आरोपियों की तलाश के लिए एक टीम गठित की। मुखबिर की सूचना पर, पुलिस ने दोनों आरोपियों को बरेली मोड़ के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान 20 वर्षीय रवि (औरैया निवासी) और 20 वर्षीय नंद किशोर (फिरोजाबाद निवासी) के रूप में हुई है। चौक कोतवाली प्रभारी अश्वनी कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और युवतियों को भी बरामद कर लिया गया है।

पंजाब से ऑपरेट हो रहा था यूपी में धर्मांतरण गिरोह

गूगल मीट से पादरी करवाता था कंवर्ट, शाहजहांपुर में 8 महीने से चल रही थी चंगाई सभा

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर, पंजाब से यूपी के शाहजहांपुर में धर्मांतरण ऑपरेट किया जा रहा था। हर रविवार को गूगल मीट के जरिए पंजाब का पादरी चंगई सभाएं करवाता था। गूगल मीट पर ही प्रेयर करवाकर भोले-भाले ग्रामीणों को ईसाई धर्म में कंवर्ट करवाता था। पंजाब से ही गिरोह को पूरी फंडिंग होती थी।शाहजहांपुर पुलिस ने दो दिन पहले गिरोह का भंड़ाफोड़ किया है। गिरोह के 3 सदस्यों को अरेस्ट किया है। जांच में पता चला है कि गांव में यह गिरोह 8 महीने से एक्टिव था। इस दौरान कई महिलाओं को कंवर्ट कराया। गिरोह के सदस्य महिलाओं को शादी कराने रुपए देने और बीमारी ठीक करने का लालच देकर बुलाते थे।हिंदु संगठन की शिकायत पर पुलिस ने 4 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। चौथे आरोपी की तलाश जारी है। मामला जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर पुवायां थाना क्षेत्र के पकड़िया हकीम गांव है पुलिस को गोपनीय सूचना मिली थी कि गांव के एक मकान में चंगाई सभा चल रही है। सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की तो वहां मौजूद लोग भागने लगे। मौके पर पुलिस को बड़ा सा क्रॉस लगा हुआ मिला।इसके साथ ही ईसाई धर्म से जुड़ी किताबें मिलीं। मकान के अंदर महिलाओं, पुरुषों और बच्चों को अपना धर्म छोड़कर प्रभु यीशु की शरण में आने के लिए प्रेरित किया जा रहा था। लखीमपुर का नमनदीप, पुवायां के रचिन और बटेश्वर, तथा सिधौली का बिंदर लाल चंगाई सभा आयोजित कर रहे थे। इन पर लोगों को प्रलोभन देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित करने का आरोप है। आरोपियों पर प्रलोभन, चमत्कार और फोटो-वीडियो का दुरुपयोग कर इलाज के नाम पर धर्मांतरण कराने का आरोप है। दर्ज एफआईआर के अनुसार, आरोपी पंजाब के पादरी जगजीत मिनिस्टरी द्वारा संचालित एक संस्था के लिए काम करते हैं। यह पादरी गूगल मीटिंग के माध्यम से आरोपियों को निर्देश देता था। पुलिस ने नमनदीप, रचिन और बटेश्वर को गिरफ्तार किया है।

देश में महिला आरक्षण कानून में संशोधन के लिए लाए गए 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को पास कराने के लिए एनडीए सरकार दो तिहाई वोट जुटाने में विफल रही। सत्ता पक्ष ने इस बिल को महिला सशक्तिकरण से जोड़कर देखने की बात कही। वहीं, विपक्ष ने इस संशोधन में समाहित परिसीमन को लेकर सरकार को घेरा। कुल मिलाकर सियासी वादों, दावों और आशंकाओं से जुड़ी इस चर्चा का नतीजा देश की महिलाओं के लिए निराशाजनक ही रहा। विचारणीय है कि पर्याप्त समर्थन के अभाव में गिरे इस बिल से राजनीतिक पटल पर देश की आधी आबादी की भागीदारी में बढ़ोतरी का प्रयास एक बार फिर अटक गया है। यह भी सच है कि जब किसी समाज की आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त रूप से शामिल होती है, तो नीतियां अधिक संवेदनशील, समावेशी और दूरदर्शी बनती हैं। यह विधेयक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखता था, जो फिलहाल भविष्य के गर्भ में चला गया है। इस विधेयक के पारित न होने के पीछे कई तकनीकी और राजनीतिक कारण हो सकते हैं, लेकिन इस बीच एक बड़ा यक्ष प्रश्न अभी भी खड़ा है, क्या केवल आरक्षण महिलाओं को निर्णय लेने की मेज तक ला पाएगा? ***इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

थोड़ा है, ज्यादा की जरूरत है

विश्लेषण

डॉ. मोनिका शर्मा

वरिष्ठ स्तंभकार

महिला आरक्षण बिल लोकसभा में मतदान के दौरान पारित नहीं हो पाया। इस कानून में देश की संसद और राज्य विधान सभाओं में आधी आबादी के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रावधान है। यही वजह है कि सियासी दुनिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने वाले कानून में संशोधन के लिए बुलाए गए विशेष सत्र की चर्चा में राजनीति से जुड़े लोगों की नहीं, देश के आम परिवारों की भी खासी रुचि थी।वर्तमान परिदृश्य में अनगिनत विरोधाभासी स्थितियों से जूझते हुए भी आगे बढ़ रही महिलाओं के जीवन में आज भी थोड़ा है और ज्यादा की जरूरत है।

इन दिनों संसद के भीतर और बाहर खूब चर्चा बटोरने वाला महिला आरक्षण बिल लोकसभा में मतदान के दौरान पारित नहीं हो पाया। बिल के समर्थन में 298 और असहमति में 230 वोट पड़े। देश में महिला आरक्षण कानून में संशोधन के लिए लाए गए इस बिल को पास कराने के लिए एनडीए सरकार दो तिहाई वोट जुटाने में विफल रही। ध्यातव्य है कि महिला आरक्षण कानून में देश की संसद और राज्य विधान सभाओं में आधी आबादी के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रावधान है। यही वजह है कि सियासी दुनिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने वाले कानून में संशोधन के लिए बुलाए गए विशेष सत्र की चर्चा में राजनीति से जुड़े लोगों की नहीं, देश के आम परिवारों की भी ख़ासी रुचि थी। बहस में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने मजबूती से अपना पक्ष रखा। बिल पर हुई 21 घंटे की गहन चर्चा में कुल 130 सांसदों ने अपने विचार रखे, इनमें 56 महिला सांसद भी थीं। वोटिंग के बाद परिणाम स्त्रियों की हिस्सेदारी बढ़ाने से जुड़े बिल के पास न होने के रूप में सामने आया। सरकार की ओर से 'नारी शक्ति वंदन' मुहिम के तौर पर जनमानस तक पहुंचाए गए बिल को लेकर समझाया गया कि यह देश की आधी आबादी के सम्मान और अधिकारों को मजबूती देने कदम वाला है।

निराशाजनक रहा नतीजा

सत्ता पक्ष ने बिल को महिला सशक्तिकरण से जोड़कर देखने की बात कही। वहीं, विपक्ष ने इस संशोधन में समाहित परिसीमन को लेकर सरकार को घेरा। संविधान संशोधन बिल में प्रस्तावित संशोधनों के अंतर्गत लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 850 करने एवं परिसीमन के बाद महिला आरक्षण लागू किए जाने की योजना थी।

कुल मिलाकर सियासी वादों, दावों और आशंकाओं से जुड़ी इस चर्चा का नतीजा देश की महिलाओं के लिए निराशाजनक ही रहा। विचारणीय है कि पर्याप्त समर्थन के अभाव में

गिरे इस बिल से राजनीतिक पटल पर देश की आधी आबादी की भागीदारी में बढ़ोतरी का प्रयास एकबार फिर अटक गया है। देश की नारी शक्ति को सशक्त बनाने से जुड़े ऐतिहासिक निर्णय में आया यह अटकाव आमजन को भी हैरान-परेशान करने वाला है। यहां तक कि कई महिला सांसदों और समर्थकों ने भी इस बाबत निराशा और आक्रोश जताया है। इस मायूसी की अहम वजह यह है कि देश के सियासी परिदृश्य में हर स्तर पर ही महिलाओं की भागीदारी आज भी बहुत कम है।

धरातल पर नहीं उतरा आरक्षण

यह बिल 2029 के आम चुनाव से पहले स्त्रियों को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की योजना का हिस्सा था। ज्ञात हो कि फिलहाल सदन में 14 प्रतिशत महिलाएं हैं। बावजूद इसके 2023 में मिला 33 फीसदी आरक्षण का कागजी अधिकार धरातल पर नहीं उतर सका। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में भी कहा महिला आरक्षण बिल, ये सिर्फ एक बिल नहीं है, ये देश की दिशा और दशा बदलने वाला बिल है। पीएम ने परिसीमन पहले के अनुपात के अनुसार ही किए जाने का विश्वास दिलाते हुए इस बात को खारिज किया कि निर्णय प्रक्रिया किसी भी तरह किसी के साथ भेदभाव करेगी। साथ ही यह भी जोड़ा कि 33 फीसदी महिलाओं को यहां आने दें और उन्हें निर्णय करने दें। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, संतुलन साधने के प्रयासों के बीच हमारे देश के राजनीतिक परिवेश में बड़े बदलाव की आहट को ठेस तो लगी ही है। साथ ही सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक, स्त्री जीवन से जुड़े हर पक्ष पर इसका असर होगा। गौरतलब है कि इस बिल के साथ परिसीमन विधेयक और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन विधेयक भी जुड़े थे।

सियासी खेल का खामियाजा

महिला आरक्षण के साथ ही एक विधेयक दिल्ली, पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में महिला आरक्षण लागू करने के लिए भी आवश्यक था। ऐसे में मुख्य संविधान संशोधन बिल के गिर जाने के कारण सरकार ने इन दोनों विधेयकों को आगे न बढ़ाने का निर्णय किया। हालांकि सरकार ने आगे भी इस बिल को लाने के लिए प्रयासरत रहने की बात कही है।

स्पष्ट है कि परिसीमन से जुड़ी सरकार की मंशा हो या विपक्ष का संदेह, महिलाओं को इस सियासी खेल का खामियाजा उठाना होगा। आखिर क्यों और कब तक मतदान के लिए लंबी कतारों में दिखने वाली आधी आबादी राजनीतिक प्रतिनिधित्व पाने में पीछे रहे? हालिया वर्षों में शिक्षा और सजगता की बदौलत राजनीतिक सक्रियता के मोर्चे पर स्त्रियों की भागीदारी में बढ़ने की तुलना और सत्ता की बागडोर संभालने के मामले में स्त्रियों के आंकड़े बेहद कम हैं।

जबकि महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना उनकी शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक-पारिवारिक मोर्चे पर बेहतरी से जोड़कर देखने वाला पहलू है। इतना ही नहीं, महिलाओं का राजनीतिक प्रतिनिधित्व केवल संख्या बल भर नहीं होता। महिलाओं का संसद में पहुंचना स्त्रियों की समस्याओं को मुखर स्वर मिलने जैसा है। इतना ही नहीं, चुनावी मैदान में उतरने से लेकर जीत हासिल करने तक महिला जनप्रतिनिधियों को भी अनगिनत समस्याओं का सामना करना पड़ता है। आधी आबादी के आगे बढ़ने की राह में पहले से ही कई बाधाएं मौजूद हैं।

हमारे देश की आबादी का 48.5 फीसदी हिस्सा महिलाएं हैं। स्त्रियां हमारे सामाजिक- पारिवारिक जीवन की धुरी हैं। आर्थिक मोर्चे पर आज भी आत्मनिर्भर महिलाओं के आंकड़े कम हैं। उनकी सुरक्षा, सम्मान और श्रम से जुड़े मुद्दे भी बहुत हद तक उपेक्षित ही हैं।

महिलाओं का प्रतिनिधित्व

कुल मिलाकर यह समझना मुश्किल नहीं कि भारतीय समाज में स्त्रियों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति उनकी राजनीतिक भागीदारी से भी जुड़ी है। ऐसे में महिलाओं के बुनियादी अधिकारों और आमजीवन से जुड़ी समस्याओं को राष्ट्रीय पटल पर उठाने के लिए महिलाओं के प्रतिनिधित्व का बढ़ना अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान परिदृश्य में अनगिनत विरोधाभासी स्थितियों से जूझते हुए भी आगे बढ़ रही महिलाओं के जीवन में आज भी थोड़ा है और ज्यादा की जरूरत है। इसके लिए गंभीर मंथन की सख्त आवश्यकता है।

साफ नीयत से लागू हो नारी शक्ति वंदन अधिनियम

उम्मीद

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

लोकसभा में महिला आरक्षण कानून में बदलाव से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक पास नहीं हो सका। जरूरी दो-तिहाई बहुमत नहीं मिलने के कारण यह बिल गिर गया। इसके साथ ही सरकार ने अन्य दो महत्वपूर्ण विधेयको परिसीमन बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन बिल को भी आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। यह संशोधन बिल 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में बदलाव के लिए लाया गया था, जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान है। यदि यह बिल पास हो जाता, तो इसे 2029 के आम चुनाव से लागू करने की योजना थी। जिस तरह इस बिल को लेकर चर्चा गर्म है क्या उसको लेकर पक्ष-विपक्ष उतना गंभीर है? शायद नहीं, चूंकि यदि ऐसा होता तो यह बिल पास हो चुका होता। भारतीय राजनीति में केवल उन महिलाओं को मौका दिया जाता है, जिनका राजनीतिक बैकग्राउंड होता है या फिर वह सेलिब्रिटी होती हैं। कार्य के बल आज तक किसको कितना मौका मिला है, यह स्पष्ट है लेकिन हमारी राजनीति में परिवारवाद हमेशा से भारी रहा है। यदि उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो मुलायम सिंह यादव के परिवार को देख लो। इनके परिवार में 25 से अधिक सदस्य राजनीति में सक्रिय हैं। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, सांसद डिंपल यादव, शिवपाल सिंह यादव, रामगोपाल यादव, धर्मेंद्र यादव और तेज प्रताप यादव प्रमुख हैं। विडंबना देखिए कि इतने बडे परिवार में कितने लोग है जो राजधानी के लिए योग्य है। शायद दस प्रतिशत भी नहीं, लेकिन विरासत मिली चीजों को लोग अक्सर अपना व्यापार मान लेते है। इसके अलावा एक बड़ा उदाहरण लालू प्रसाद यादव के परिवार के रूप में भी समझा जा सकता है। उनके दोनों तेज प्रताप यादव व तेजस्वी यादव जो विरासत में राजनीति लेकर पैदा हुए हैं लेकिन इनके लिए भी सवाल यही उठता है कि उनकी शिक्षा व राजनीतिक समझ कितनी है, यह किसी से छुपा नही है, फिर भी वह राजनीति में अपना स्थान बनाए हुए हैं। अब यदि बात महिलाओं की जाए तो उनके लिए राजनीति मे कितनी जगह है, क्या उनकी कार्य की योग्यता को मौजूदा नेता स्वीकार कर पाएगें। किसी आम कार्यकर्ता को सांसद,विधायक या पार्षद तक की सीट आसानी से मिलना संभव है। बहुत मुश्किल कार्य है। बीते शुक्रवार को कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, समाजवादी पार्टी और 'इंडी' गठबंधन बहस करने के लिए नहीं, बल्कि 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के लिए एक अहम संविधान संशोधन बिल को पास होने से रोकने के लिए एक साथ आए। उसे न सिर्फ खारिज किया गया, बल्कि जीत के नारों के साथ उसका जश्न भी मनाया। यह दृश्य बेहद दुर्लभ था, चूंकि विपक्ष यहां यह बात नहीं समझ पाया कि इससे किसी पार्टी का फायदा-नुकसान या हार-जीत नहीं मिलती, इससे महिलाओं की भागीदारी से देश का उत्थान होने में मदद मिलेगी। बहरहाल, आज आधी आबादी को उनके हक चर्चाओं व सोच से क्या वाकई उनको स्थान मिलेगा, यह तो समय के साथ देखा जाएगा, लेकिन महिलाओं के प्रति अपनी नजरिया स्पष्ट करके उनको देखा जाए तो देश की तस्वीर बदल सकती है। किसी के भी कार्य को गुणवत्ता के आधार पर उसको फल मिलना चाहिए। सही मायनों में राजनीति वह कर सकता है जिसने सड़क पर उतरकर काम किया हो। बहुत ज्यादा नहीं तो हमें देश में उन महिलाओं के योगदान को समझना चाहिए जिन्होंने देश के भविष्य के लिए काम किया है। भारतीय राजनीति में पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, स्वतंत्रता सेनानी, गवर्नर सरोजिनी नायडू,पहली महिला मुख्यमंत्री सुचेता कृपलानी, सोनिया गांधी, सुषमा स्वराज, ममता बनर्जी और मायावती जैसी महिलाओ ने अहम भूमिका निभाई है। इन सभी महिलाओं ने अपने जिद व जुनून से भरतीय राजनीति में अपने आप को स्थापित किया। चूंकि इनमें से अधिकतर ने अपना वजूद खुद तय किया। इसलिए महिलाओं को आरक्षण को लेकर सभी को गंभीर होना चाहिए,यदि वाकई सबकी नियत साफ है तो कुछ प्रतिशत तो निश्चित तौर पर रिजर्व होना चाहिए जिससे बदलाव व देश के उत्थान के लिए महिलाओं की सोच से मिलकर देश आगे बढ़े। परिवर्तन संसार का नियम है और शायद अब भरतीय राजनीति को भी इसे अपना लेना चाहिए। ऐसे मामलों को लेकर पक्ष-विपक्ष अपनी विचारधारा साफ करें।

किसी के भी कार्य को गुणवत्ता के आधार पर उसको फल मिलना चाहिए। सही मायनों में राजनीति वह कर सकता है जिसने सड़क पर उतरकर काम किया हो। बहुत ज्यादा नहीं तो हमें देश में उन महिलाओं के योगदान को समझना चाहिए जिन्होंने देश के भविष्य के लिए काम किया है।

महिलाओं को हक दिलाने पर सरकार अडिग !

चिंतन

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए जरूरी संविधान संशोधन बिल संसद के विशेष सत्र में आखिरकार गिर गया, जिसे चिंता का विषय कहा जा सकता है। करीब 21 घंटों की चर्चा के बाद भी संविधान के 131वां संशोधन विधेयक 2026 को लेकर सरकार सदन में मौजूदा सदस्यों की दो तिहाई बहुमत नहीं जुटा सकी। इसमें लोकसभा में सीटें 850 करने और महिला आरक्षण को 2029 से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में लागू करने का प्रावधान था। हालांकि सरकार ने दावा किया है कि महिलाओं को हक दिलाकर रहेगी, जबकि विपक्ष ने कहा कि यह महिला आरक्षण नहीं बल्कि परिसीमन के जरिए राजनीतिक संतुलन साधने की कोशिश थी। जनता द्वारा चुनकर देश को विधानसभाओं या संसद में पहुंचना भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। देश और समाज के लिए विधानसभा और लोकसभा के जरिए जनप्रतिनिधित्व की यह ताकत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अगर महिलाओं की भागीदारी विधानसभा और संसद में कम होती है तो यह चिंता का विषय है। पक्ष-विपक्ष दोनों को इस गंभीर मुद्दे पर विचार करने की जरूरत है। यह सच्चाई है कि आज आधी-आबादी का प्रतिनिधित्व दोनों स्तरों पर कम दिखाई देता है। वर्तमान 18वीं लोकसभा में केवल 74 महिला सांसद हैं, यानी कुल 543 सीटों का मात्र लगभग 14 प्रतिशत। कई राज्य विधानसभाओं का औसत तो इससे भी नीचे है। ऐसे में राजनीतिक रूप से महिलाओ को आरक्षण मिलना जरूरी है। शायद यही कारण है कि देश में बराबरी का दर्जा की बात करने के बावजूद महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान का रास्ता प्रशस्त नहीं दिखाई पड़ता।लोकतंत्र का मतलब सिर्फ बहुमत का शासन नहीं बल्कि सभी वर्गों को समान अवसर देना है। जब आधी आबादी की भागीदारी अधिकतम 14 प्रतिशत तक सीमित हो तो नीति निर्माण एक तरफ हो जाता है, इसलिए उन्हें आरक्षण दिया जाना चाहिए। उनकी भागीदारी को संतुलित करने का यह कारगर उपाय हो सकता है। यह सच है कि आजादी के 78 साल बाद भी सामाजिक, सांस्कृतिक बाधाएं आर्थिक निर्भरता और पुरुष प्रधान सोच के कारण महिलाओं को टिकट नहीं मिल पातीं। आज पंचायत में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होने के बाद 1993 से अब तक 14 लाख से अधिक महिलाएं ग्राम स्तर पर चुनी गईं और इसी मॉडल ने यह साबित कर दिखाया कि अवसर मिलने पर महिलाएं नेतृत्व करने में पुरुषों से पीछे नहीं हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 वाकई एक ऐतिहासिक कदम रहा है, जब सितंबर 2023 में संसद में 128वें संविधान संशोधन के तहत लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने का कानून पारित किया। यह आरक्षण एससी-एसटी कोटे के भीतर भी 33 प्रतिशत उप आरक्षण प्रदान करेगा। हालांकि तीन साल बाद इस पुराने कानून को सरकार ने लागू कर दिया है। इसी कानून में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओ को 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है, लेकिन यह लागू नहीं हुआ था। गौरतलब है कि पहले से ही इसकी दो शर्तें रही हैं- यह अगली जनगणना और परिसीमन के बाद लागू होगा और लागू होने के 15 साल बाद इसकी समीक्षा होगी यानी 2029 के लोकसभा चुनाव से इसके लागू होने की पूरी संभावना बताई गई थी। यह तय है कि इसके लागू होने से कई तरह के बदलाव भी दिखेंगे। जैसे कि नीति निर्माण की दिशा में मातृत्व लाभ, पोषण, शिक्षा, कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल, घरेलू हिंसा कानून आदि पर सख्ती जैसे विषय संसद के केंद्र में आएंगे। घर-परिवार संभालने वाली महिलाएं जमीनी मुद्दों को बेहतर ढंग से उठा पाएंगी। पार्टियों को महिला कैडर तैयार करने जैसा उनकी मजबूरी हो जाएगी, वहीं टिकट बंटवारे में परिवारवाद और भाई- भतीजावाद घटेगा। इससे पार्षद पति, सरपंच या मुखिया पति की अवधारणा भी घटेगी। महिलाओं को अवसर दिए जाने के बाद ही उनकी क्षमताओं का आकलन करना उचित होगा। परिसीमन से हालांकि पुरुष वर्गों की कई सीटें खतरे में पड़ सकती हैं, लेकिन महिलाओं की भागीदारी के हिसाब से यह सही कदम होगा। इसलिए महिला आरक्षण जरूरी है। अगर ऐसा होता है तो अगला दशक भारतीय लोकतंत्र के लिए निर्णायक होगा।

1993 से अब तक 14 लाख से अधिक महिलाएं ग्राम स्तर पर चुनी गईं और इसी मॉडल ने यह साबित कर दिखाया कि अवसर मिलने पर महिलाएं नेतृत्व करने में पुरुषों से पीछे नहीं हैं।

देश की आधी आबादी की आवाज़ को अभी और इंतज़ार

चुनौती

रेखा शर्मा

राज्यसभा सांसद, हरियाणा

आज भारतीय संसद का बजट सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। हर बार की तरह इस बार भी संसद ने देशहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की, कई निर्णय लिए और लोकतंत्र को आगे बढ़ाने का कार्य किया। सरकार ने अनेक अवसरों पर विपक्ष के अनुरोधों का सम्मान किया, संवाद के लिए अतिरिक्त समय दिया और सहमति बनाने का निरंतर प्रयास किया।

यह लोकतंत्र की वही परंपरा है जो मतभेदों के बीच भी संवाद को जीवित रखती है और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानती है। एक महिला सांसद होने के नाते इस सत्र की समाप्ति मेरे लिए केवल संसदीय कार्यवाही का समापन नहीं है। यह एक गहरी भावनात्मक कसक का क्षण भी है, क्योंकि इस बार अधूरी रह गई उम्मीद केवल एक विधेयक की नहीं थी, बल्कि देश की आधी आबादी के प्रतिनिधित्व के अधिकार की थी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानूनी प्रस्ताव नहीं था। यह उन करोड़ों बेटियों की आशा था, जो लोकतंत्र में अपनी भागीदारी को और सशक्त होते देखना चाहती हैं। यह उन माताओं का विश्वास था, जिन्होंने हमेशा समाज और परिवार को दिशा दी, लेकिन निर्णय लेने की सर्वोच्च संस्थाओं में उनकी भागीदारी अब भी सीमित रही। यह उन युवा छात्राओं का सपना था, जो राजनीति को केवल देखने नहीं, बल्कि उसे दिशा देने का साहस रखती हैं। यह उन लाखों महिलाओं की आकांक्षा का प्रतीक था, जो पंचायतों और स्थानीय निकायों में नेतृत्व कर चुकी हैं और अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी भागीदारी का विस्तार चाहती हैं। इस सत्र के दौरान सरकार ने विपक्ष की अनेक मांगों और सुझावों को स्वीकार करते हुए सहमति बनाने का वातावरण तैयार करने की पूरी कोशिश की। लोकतंत्र संवाद से चलता है, और संवाद के लिए सरकार की ओर से निरंतर प्रयास भी हुए, लेकिन जिस प्रकार से महिलाओं के प्रतिनिधित्व को मजबूत करने का यह ऐतिहासिक अवसर आगे नहीं बढ़

सका, उसने देश की करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों को प्रतीक्षा में छोड़ दिया है। यह केवल एक प्रक्रिया का रुकना नहीं था, यह एक भावनात्मक अपेक्षा का ठहर जाना था। सोचिए, यदि यह व्यवस्था लागू हो जाती तो 2029 का भारत कैसा होता? संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी दिखाई देती। नीति निर्माण की प्रक्रिया में संवेदनशीलता, संतुलन और सामाजिक समावेशन की नई दिशा मिलती। सबसे महत्वपूर्ण बात देश की बेटियों को यह संदेश मिलता कि उनका लोकतंत्र उन्हें केवल मतदाता नहीं, बल्कि नीति-निर्माता के रूप में भी स्वीकार करता है। यह संदेश आने वाली पीढ़ियों के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई देता। आज भारत की महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं। विज्ञान, सेना, खेल, शिक्षा, प्रशासन और न्यायपालिका तक उनकी भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। ऐसे समय में संसद और विधानसभाओं में उनकी संख्या बढ़ाना केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की स्वाभाविक प्रगति का हिस्सा होना चाहिए था।

यह भी सच है कि जब किसी समाज की आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त रूप से शामिल होती है, तो नीतियां अधिक संवेदनशील, समावेशी और दूरदर्शी बनती हैं। मुझे यह कहते हुए पीड़ा हो रही है कि यह अवसर केवल एक संसदीय प्रक्रिया का हिस्सा बनकर रह गया, जबकि यह भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का स्वर्णिम अध्याय बन सकता था। यह वह क्षण था, जब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को यह संदेश देने का अवसर था कि भारत केवल संख्या में नहीं, बल्कि सहभागिता में भी सबसे आगे है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज तक हर महत्वपूर्ण परिवर्तन में महिलाओं की भूमिका निर्णायक रही है। आज यह प्रतीक्षा है, लेकिन यह प्रतीक्षा निराशा नहीं है। यह एक संकल्प की भूमिका है। देश की आधी आबादी केवल अधिकार नहीं मांग रही है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में अपनी समान और प्रभावी भागीदारी का अवसर चाहती है। यह मांग किसी विशेष वर्ग की नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक संतुलन की मांग है। मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में यह आवाज़ और मजबूत होगी, और वह दिन अवश्य आएगा जब संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी भारत के लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति के रूप में सामने आएगी। क्योंकि यह केवल प्रतिनिधित्व का प्रश्न नहीं है। यह सम्मान का प्रश्न है, यह समान अवसर का प्रश्न है, और यह भारत के भविष्य का प्रश्न है।

सियासी महाकुंभ में समाजवाद

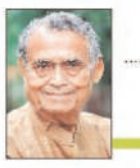

जिरहनामा

कनक तिवारी

आखिरकार बिहार के मुख्यमंत्री और समाजवादी नीतीश कुमार का पतन सहयोगी बनते साजिशी दोस्तों ने करा ही दिया। तीन दशकों तक नीतीश ने खुद को राज्य बल्कि केन्द्र की राजनीति के दिशानिर्देशक की तरह दांव पेंचों के साथ सक्रिय तो रखा था। हासिल यह है कि बिहार में पहले उनके साथ रहे फिर कभी छिटके दूसरे बडे समाजवादी नेता लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल की हालत लचरपचर हो गई है। समाजवादियों का गढ़ बिहार दक्षिणपंथी राजनीति के चंगुल में है। उत्तरप्रदेश में अलबत्ता अभी अखिलेश यादव की अगुवाई में समाजवादी पार्टी मुख्य विपक्ष है। इसके अलावा देश में समाजवाद के कुछ नामलेवा छोटे छोटे चिराग हैं। जो अंधेरे से लड़ने की कोशिश में जुगनुओं की तरह राजनीति के जंगल में भटकते गिरते पड़ते दिखाई देते हैं।

दरअसल समाजवाद एक विचार जिसका भारत ही नहीं दुनिया की राजनीति से बहुत कुछ लेना देना है। कई देश सफल होकर समाजवादी रहे हैं। अब भी कहीं ना कहीं समाजवाद उन देशों की सत्ता की राजनीति में खदबदा रहा है। इस व्यापक और लचीली परिभाषा में साम्यवाद शब्द को भी शामिल कर लेना चाहिए। थोड़े से तरह के हलफे के बावजूद उनका रास्ता एक तरह का है। हालांकि कम्युनिस्टों की चूलें अब ढीली हो गई हैं। कोई देश अब पूंजीपतियों के चंगुल से बाहर नहीं हैं। चाहे रूस और चीनी क्यों न हों। भारत की राजनीति में समाजवाद एक उदार और साफ सुथरा चेहरा लिए दशकों तक अपना भविष्य ढूंढा करता। उम्मीदों के दिए की तरह टिमटिमा रहा था। इतिहास कभी कभी असली जननायकों को अंधेरे में ठेल देने की खलनायकी नहीं छोड़ता। राजनीतिक बियाबान में सबसे पहले तो 23 बरस के क्रांतिकारी शहीद भगतसिंह ने देश को नारा दिया था कि हर हाल में भारत में समाजवाद को लाना है। उससे कमतर कोई विकल्प नहीं। कोई समझौता नहीं। देश में निजी उद्योगपतियों को फलने फूलने नहीं देना चाहिए। वरना ये जनता का खून चूसेंगे। उसी इतिहास ने अपने मुंह से कबूला कि भगत सिंह ने भविष्यवाणी की थी उस पर इतिहास को शर्मसार रहना पड़ेगा।

समाजवाद का जब सियासत में एक तरह से उद्दाम था। तब भारत की संविधान सभा में संविधान के मकसद पर नेहरू ने अप्रतिम भाषण दिया था। लेकिन उस भाषण में उन्होंने संविधान में शब्द के रूप में 13 दिसंबर 1946 को दुर्भाग्य से समाजवादी शब्द का उल्लेख नहीं किया। संविधान नियंता बाबा साहब ने 17 दिसंबर 1946 को कहा था कि पंडित जी तो एक समाजवादी की हैसियत से मशहूर हैं। लेकिन समाजवाद का उल्लेख नहीं करने से मुझे बड़ी निराशा हुई है। उसके बाद तो एक बाढ़ सी आ गई। विशंभर दयाल त्रिपाठी, दामोदर स्वरूप सेठ, काजी सैयद करीमुद्दीन और सबसे बढ़कर के० टी० शाह ने हमलावर भाषण दिया कि समाजवाद को क्यों नहीं साफ साफ लिखा जाता। वरना भारत की आजादी का कोई अर्थ नहीं है। ये दुर्भाग्य है कि समाजवाद शब्द भारत में गरीबी, जाति प्रथा और स्त्रियों के साथ होने वाले अत्याचारों की फेहरिश्त में काफी दिनों से है। जितनी समाजवादी पार्टियां भारत में बनी बिगड़ीं और बार बार बनती और बिगड़ती रहीं। उससे राजनीति के इतिहास से ज्यादा गिनीज बुक ऑफ वल्ड रिकार्ड का सरोकार रहा है। बिड़ला, टाटा, डालमिया और तमाम उद्योगपति संविधान सभा की कार्यवाही में इस तरह हावी थे कि उनकी उपेक्षा करना संविधान सभा के लिए संभव ही नहीं था। वरना देश में आर्थिक भूचाल आ जाता।

एक बेहद गरीब लेकिन उम्मीदों से भरपूर नेहरू सरकार के मुखिया इंगलैंड के फेबियन समाजवाद से प्रभावित थे। हेराल्ड लास्की, ऑल्डस हक्सले और न जाने कितने विचारक उस वक्त नेहरू के जेहन में दाखिल हो गए थे। जब वे इंगलैंड में बैरिस्टरी की पढ़ाई कर रहे थे। तब भी नेहरू ने यह कहा था कि समाजवाद लाकर भी मिश्रित अर्थव्यवस्था को चलाना पडेगा। वरना देश आगे नहीं बढ़ेगा। इस नेहरू और इंग्लैंड ने एक के बाद एक राजाओं की ही थैली और विशेषकर जमीदारी उन्मूलन और कई निजी उद्योगों का खुले आम राष्ट्रीयकरण किया। यह एक कहानी है। कहने को इतिहास में विवेकानन्द ने सबसे पहले यह कहा कि मैं समाजवाद में विश्वास करता हूं। उन्होंने यहां तक भविष्यवाणी की थी कि भविष्य में समाजवाद का झंडा सबसे पहले रूस में और उसके बाद चीन में बुलंद होगा। रूस के प्रसिद्ध विचारक पीटर क्रोपाटकिन के साथ बैठकर विवेकानन्द ने समाजवाद की आर्थिक संरचना पर लंबी बातचीत की थी। वहीं गांधी ने ट्रस्टीशिप के सिद्धांत का प्रतिपादन करते हुए भी यही कहा था कि मैं समाजवादी हूं। हालांकि इसका तार्किक खंडन प्रसिद्ध समाजवादी मधु लिमये ने अपने एक लंबे लेख में किया था। बड़ी भूमिका तो जयप्रकाश नारायण और लोहिया की रही है। जिन्हें काफी वक्त तक नेहरू का समर्थन मिला। बाद में धीरे धीरे समाजवादी कांग्रेसी सरकार बनने पर पुराने जर्जर ब्रिटिश हुकूमत के ढांचे को गिराने के लिए अलग पार्टी बनाकर रुखसत हो लिए। अगर उनमें से कुछ को संविधान सभा में रखा जाता। तो शायद संविधान का चेहरा कुछ अलग हो सकता था।

बात मौजूदा राजनीति की है। नीतीश ने समाजवाद की पीठ पर अपनी दयनीय हालत के कारण छुरा तो घोंपा है। सत्ता की राजनीति में वे भाजपा के सहयोगी बार बार बने और वहां वहां तभी तक टिके जब तक उनकी सत्ता बरकरार रही। समाजवाद लेकिन पूरे विश्व के भी संदर्भ में इतिहास के रूदन का विषय रहा। छत्तीसगढ़ में ही पुरुषोत्तम कौशिक, कमलनारायण शर्मा और मदन तिवारी जैसे कई उद्दाम चेहरे हैं। जो समाजवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लेकर हर वक्त लामबंद रहे हैं। उन्होंने भी कोई सिद्धांतविहीन समझौता नहीं किया। अब लगता नहीं कि भरत की अंधभक्ति व्हाट्सएप विश्वविद्यालय की दिशा भटकी युवा पीढ़ी को राजनीति का ककहरा पढ़ने की भी तमीज भी है। समाजवाद एक बिकी हुई सल्तनत है जो केवल यादों में दफ्न की जा सकेगी। कभी जमाना था जब समाजवादी अपनी असल औकात के लिए सत्तामहल को गिराने नहीं लेकिन हिला देने के लायक थे। नीतीश का अवसान निजी नहीं है। वे अपने साथ एक विचारधारा को पाटलिपुत्र में ले डूबे। धार्मिक कुंभ तो प्रयागराज, उज्जैन, हरिद्वार वगैरह मे होते रहे है। भारतीय राजनीति का सियासी महाकुंभ नीतीश ने पुरोहित बनकर पाटलीपुत्र में कर ही दिया। अब आगे बहती विचारगंगा में समाजवाद की गुंजाइश नहीं हैं। मार्क्स कभी प्रेरक था। अब तो उसको हर तरह के प्रसंग से बाहर भी निकाला जा सकता है। कई नेता रहे जो समाजवाद का चोला ओढ़े भटकते रहे। इनमें जॉर्ज फर्नांडीस ने टेड यूनियन नेता होकर गफलतें कीं। समाजवाद त्रासदी की कहानी है। नीतीश पुराण का तात्विक अर्थ केवल व्यक्तिगत कहानी नहीं है और न ही उनके कथित मानसिक पागलपन की। वर्षों से चले आ रहे संघर्ष की इतिहास की ऐसी भी परिणति होती है। जिस गांधी ने आजादी के आंदोलन की अगुवाई की। उसकी ही पार्टी ने आजादी के दिन से ही उसकी निजी उपेक्षा की। जो नीतीश कथा के समानान्तर की तरह है।

संक्षेप

बाइक और साइकिल की भिड़ंत, नवविवाहित की मौत

पत्नी की दवा लेकर लौट रहा था युवक, 6 दिन पहले हुई थी शादी

अमेठी, अभी घर में शादी की खुशियों की गूंज थमी भी नहीं थी कि एक सड़क हादसे ने सब कुछ छीन लिया।अमेठी जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र के कालिकन मोड़ के पास शनिवार शाम करीब 4:30 बजे बाइक और साइकिल की टक्कर ने एक परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। हादसे में नवविवाहित युवक की मौत हो गई, जबकि साइकिल सवार एक छात्रा गंभीर रूप से घायल हो गई।दोनों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान तिहैतनपुर निवासी 27 वर्षीय दीपक (पुत्र स्व. नंदलाल) की मौत हो गई। वहीं, पूरे गड़ेरियन मजरे कसारा निवासी श्वेता पाल (पुत्री अमरेश पाल) को जिला अस्पताल गौरीगंज से सुल्तानपुर जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। कोचिंग से लौट रही थी छात्रा श्वेता पाल अमेठी कस्बे में कोचिंग पढ़कर साइकिल से घर लौट रही थी। इसी दौरान पीछे से आ रही बाइक ने साइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।प्रत्यक्षदर्शी अजीत दुबे ने बताया कि मोड पर छात्रा ने अचानक साइकिल मोड दी जिससे युवक की बाइक तेज रफ्तार होने के चलते हादसा हुआ। पत्नी की दवा लेकर लौट रहा था युवकबताया जा रहा है कि दीपक अपनी पत्नी के लिए दवा लेकर अमेठी कस्बे से घर लौट रहा था।हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। दीपक की शादी महज छह दिन पहले यानि 12 अप्रैल को हुई थी। पत्नी सुचित्रा के हाथों की मेहंदी भी अभी फीकी नहीं पड़ी थी कि उसका सुहाग उजड़ गया। करीब 10 वर्ष पहले पिता का हो चुका है निधन मृतक दीपक के पिता नंदलाल का करीब 10 वर्ष पहले निधन हो चुका है। मां धनाऊ और बड़े भाई रवि कुमार ने ही उनका पालन-पोषण किया।

नव आरक्षियों के लिए 'बड़ा खाना' आयोजित

डीआईजी सोमेन बर्मा ने परोसा भोजन, शुभकामनाएं देकर किया उत्साहवर्धन

अमेठी , गौरीगंज स्थित नवीन पुलिस लाइन में दीक्षांत समारोह से पहले देर रात 'बड़ा खाना' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में अयोध्या रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) सोमेन बर्मा शामिल हुए। डीआईजी सोमेन बर्मा ने स्वयं नव आरक्षियों को भोजन परोसा और उनके साथ बैठकर भोजन ग्रहण किया। उन्होंने आरक्षियों से उनके प्रशिक्षण अनुभवों पर चर्चा की और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं, जिससे उनका उत्साहवर्धन हुआ इस अवसर पर डीआईजी ने आरक्षियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण की समाप्ति उनके नए जीवन की शुरूआत है। उन्होंने जोर दिया कि एक पुलिसकर्मी के रूप में जनता की सेवा, सुरक्षा और संवेदनशीलता ही सर्वोपरि होनी चाहिए। यह आयोजन आगामी दीक्षांत परेड (पासिंग आउट परेड) समारोह के उपलक्ष्य में एक महत्वपूर्ण परंपरा का हिस्सा है।

बहराइच में पेट्रोल-डीजल किल्लत के पीछे तस्करी की चर्चा तेज

कहीं नेपाल तो नहीं जा रहा इंडिया का पेट्रोल और डीजल

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। जनपद के पेट्रोल पंपों पर इन दिनों लग रही लंबी कतारें और तेल की कमी ने नए सवाल खड़े कर दिए हैं। हालात ऐसे हैं कि सुबह से देर रात तक हजारों की संख्या में लोग गाड़ियों व गैलनों के साथ लाइन में डटे रहते हैं, लेकिन कई बार उनकी बारी आने से पहले ही टंकियां खाली हो जाती हैं।इससे डीजल और पेट्रोल की तस्करी की आशंका लगातार गहराती जा रही है। ग्रामीणों के बीच चर्चा है कि बहराइच नेपाल की खुली सीमा से सटा हुआ है और वहां डीजल पेट्रोल के दाम भारत के मुकाबले करीब डेढ़ गुना अधिक हैं।ऐसे में कुछ लोग यहां से ईंधन खरीदकर सीमा पार नेपाल में ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं और भारी मुनाफा कमा रहे हैं। यही वजह मानी जा रही है कि जिले में आपूर्ति के दावों के बावजूद पंपों पर भीड़ कम नहीं हो रही। वहीं, बहराइच से सटे गोंडा, बाराबंकी, लखनऊ और सीतापुर जैसे जिलों में स्थिति सामान्य बनी हुई है।वहां न तो ईंधन की कमी है और न ही इस तरह की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं, जिससे बहराइच की स्थिति और संदिग्ध प्रतीत हो रही है।नेपाल सीमा क्षेत्र के गिरजापुरी मिहींपुरवा अमृतपुर रायबोझा नानपारा बाबागंज रुपईडीहा आदि पेट्रोल पंपों पर हजारों की भीड़ लगभग एक हफ्ते से बनी हुई है।जिला पूर्ति अधिकारी नरेंद्र तिवारी का कहना है कि जिले में डीजल और पेट्रोल की पर्याप्त आपूर्ति हो रही है और कमी की बात महज अफवाह है। उन्होंने तस्करी की आशंका को भी सिरे से खारिज किया है। इसके बावजूद जमीनी हालात कुछ और ही तस्वीर बयां कर रहे हैं। तेल न मिलने से जहां आम वाहन चालकों को परेशानी हो रही है, वहीं गेहूं की कटाई और मड़ाई जैसे कृषि कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। स्थानीय लोग पिछले अनुभवों का भी हवाला दे रहे हैं। गेहूं बुवाई के दौरान यूरिया खाद की किल्लत में भी इसी तरह लंबी लाइनें लगी थीं और बाद में भारत-नेपाल सीमा पर खाद की तस्करी पकड़ी गई थी। ऐसे में लोगों का मानना है कि यदि सीमा क्षेत्र में कड़ी निगरानी और सख्त जांच व्यवस्था लागू की जाए, तो डीजल-पेट्रोल की संभावित तस्करी पर रोक लगाई जा सकती है।इससे न केवल आपूर्ति व्यवस्था सुधरेगी, बल्कि पेट्रोल पंपों पर लगने वाली असामान्य भीड़ भी सामान्य हो सकेगी।

नगर पंचायत रुपईडीहा में जनगणना कार्य की हुई शुरूआत

कर्मियों को वितरित किए गए नियुक्ति एवं पहचान पत्र

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच।नगर पंचायत रुपईडीहा में जनगणना कार्य को सकुशल एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से अधिशासी अधिकारी रामबदन यादव द्वारा जनगणना कर्मियों को नियुक्ति पत्र एवं पहचान पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर उन्होंने जनगणना कार्य में लगाए गए कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए। अधिशासी अधिकारी रामबदन यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि 23,24 तथा 25 अप्रैल को नानपारा के नगर पालिका भवन में उक्त कर्मचारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम है उसके बाद 20 मई तक पहले मकान गणना होगा उसके बाद इसी तरह जनगणना का कार्य संपन्न होगा।उन्होंने बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र में जनगणना कार्य के लिए प्रगणक तथा सुपर वाइजरो समेत लगभग 48 कर्मियों की नियुक्ति की गई है, जो निर्धारित क्षेत्रों में घर-घर जाकर गणना का कार्य संपन्न करेंगे। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि जनगणना एक अत्यंत महत्वपूर्ण शासकीय कार्य है, जिसके आधार पर विकास योजनाओं की रूपरेखा तैयार की जाती है। इसलिए सभी कर्मी अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समयबद्धता के साथ करें।उन्होंने सभी नियुक्त कर्मियों से अपील की कि वे कार्य के दौरान आमजन से विनम्र व्यवहार रखें तथा शासन द्वारा निर्धारित मानकों का पूर्ण पालन करते हुए सही और सटीक आंकड़े संकलित करें।नियुक्ति पत्र एवं पहचान पत्र वितरण के साथ ही नगर पंचायत में जनगणना कार्य का औपचारिक शुभारंभ हो गया। स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई है कि जनगणना कार्य सुचारु रूप से संपन्न होगा और क्षेत्र के विकास कार्यों को गति मिलेगी।

एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष का प्रस्तावित कार्यक्रम अनुमति न मिलने से निरस्त

अमन लेखनी समाचार

रुपईडीहा, बहराइच।भारत-नेपाल सीमावर्ती नगर पंचायत रुपईडीहा में सोमवार को एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली का प्रस्तावित कार्यक्रम प्रशासनिक अनुमति न मिलने के कारण आयोजित नहीं हो सका। कार्यक्रम को लेकर स्थानीय कार्यकताओं द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं, लेकिन अंतिम समय में प्रशासन से अनुमति न मिलने पर इसे निरस्त करना पड़ा।जानकारी के अनुसार कार्यक्रम के लिए पंडाल तैयार कर लिया गया था तथा बैठने के लिए कुर्सियां भी लगा दी गई थीं। स्थानीय स्तर पर कार्यकताओं और समर्थकों के पहुंचने की तैयारी भी थी। हालांकि, प्रशासनिक अनुमति न मिलने के कारण स्थानीय पुलिस ने कार्यक्रम आयोजित न करने की बात कही, जिसके बाद पार्टी कार्यकताओं ने कार्यक्रम को निरस्त करने का निर्णय लिया।पार्टी के स्थानीय कार्यकर्ता मंशाद अहमद ने बताया कि कार्यक्रम की अनुमति के लिए दो दिन पूर्व ही प्रशासन को प्रार्थना पत्र दिया गया था, लेकिन निर्धारित समय तक अनुमति प्राप्त नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा कार्यक्रम न कराने की सूचना दिए जाने के बाद पार्टी ने कानून व्यवस्था का सम्मान करते हुए कार्यक्रम स्थगित कर दिया।कार्यक्रम निरस्त होने से स्थानीय कार्यकताओं और समर्थकों में निराशा देखी गई। क्षेत्र में इस कार्यक्रम को लेकर काफी उत्साह था, क्योंकि सीमावर्ती क्षेत्र में पार्टी के वरिष्ठ नेता का आगमन प्रस्तावित था।

42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा मानव तस्करी का प्रयास विफल

नेपाली नाबालिग लड़की बरामद

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा बहराइच। कमांडेंट 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में बीओपी रुपईडीहा के जवानों द्वारा एएचटीयू टीम के साथ संयुक्त रूप से बीआईटी चेकपोस्ट, रुपईडीहा पर नियमित चेकिंग एवं फ्रिस्किंग के दौरान मानव तस्करी के एक प्रयास को विफल करते हुए एक नेपाली नाबालिग लड़की को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया तथा एक संदिग्ध नेपाली तस्कर को पकड़ा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 20 अप्रैल 2026 को सायं लगभग 18:30 बजे नेपाल से भारत की ओर आ रही एक 17 वर्षीय नेपाली लड़की को एक 22 वर्षीय युवक के साथ संदिग्ध परिस्थिति में रोका गया। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों द्वारा अपने संबंध के बारे में विरोधाभासी जानकारी दी गई, जिससे संदेह उत्पन्न हुआ। तत्पश्चात एसएसबी एवं एएचटीयू टीम द्वारा गहन पूछताछ की गई तथा संपर्क स्थापित करने का प्रयास किया गया। जांच के दौरान लड़की के पिता से संपर्क स्थापित हुआ, जिन्होंने पुष्टि की कि उनकी पुत्री को दो दिन पूर्व एक अज्ञात युवक द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाया गया था तथा उनके साथ मौजूद युवक को वे नहीं पहचानते हैं। प्राप्त तथ्यों एवं विरोधाभासी बयानों के आधार पर यह मामला मानव तस्करी से संबंधित पाया गया।तत्पश्चात एसएसबी एवं संबंधित एजेंसियों द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए नाबालिग लड़की को सुरक्षित रेस्क्यू कर नेपाल स्थित ठऋड शांतिपूर्ण स्थापना गृह को एएचटीयू, नेपाल पुलिस एवं अन्य संबंधित संस्थाओं की उपस्थिति में सुपुर्द किया गया। वहीं पकड़े गए संदिग्ध आरोपी को आगे की विधिक कार्यवाही हेतु नेपाल पुलिस के हवाले कर दिया गया। गिरीश चन्द्र पाण्डेय, कमांडेंट ने इस सफल कार्रवाई पर टीम की सराहना करते हुए कहा कि 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल सीमावर्ती क्षेत्रों में मानव तस्करी एवं अन्य अवैध गतिविधियों की रोकथाम हेतु सतत रूप से सक्रिय एवं प्रतिबद्ध है।

रुपईडीहा के गोकुलपुर के खेतों और बागों में भीषण आग, नगर पंचायत की तत्परता से पाया गया काबू

अमन लेखनी समाचार

मोहम्मद कौसर

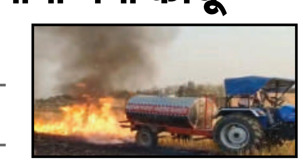

रुपईडीहा, बहराइच।नगर पंचायत रुपईडीहा के वार्ड नंबर 2 स्थित गोकुलपुर के रामबक्शपुरवा में सोमवार को खेतों और बागों में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही नगर पंचायत प्रशासन तत्काल सक्रिय हो गया और समय रहते आग पर काबू पा लिया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार बिजली विभाग के जेई द्वारा नगर पंचायत चेयरमैन को आग लगने की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही नगर पंचायत रुपईडीहा के चेयरमैन डॉ0 उमाशंकर वैश्य ने तत्काल नगर पंचायत कर्मचारियों को मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। आदेश मिलते ही कर्मचारी पानी के टैंकर के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और तेजी से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।नगर पंचायत के कर्मचारियों ने टैंकर के माध्यम से पानी डालकर आग पर काबू पाया, जिससे आग को आसपास के खेतों और बागों में फैलने से रोक लिया गया। समय पर की गई इस कार्रवाई से एक बड़ी दुर्घटना टल गई और किसानों की फसलों को भारी नुकसान से बचा लिया गया।स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि यदि समय रहते मदद नहीं पहुंचती तो आग और भी विकराल रूप ले सकती थी।

शिक्षक संकुल बैठक आयोजित, नामांकन वृद्धि पर बनी कार्य योजना

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। न्याय पंचायत केवलपुर ,जमुनहा बाबागंज व जैतापुर में आयोजित संकुल स्तरीय बैठक महानिदेशक स्कूल शिक्षा राज्य परियोजना कार्यालय निशातगंज लखनऊ के निर्देश के अनुपालन के क्रम में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बहराइच आशीष कुमार सिंह के निर्देशन तथा खंड शिक्षा अधिकारी नवाबगंज राधेश्याम वर्मा के कुशल नेतृत्व में न्याय पंचायत स्तर पर मंगलवार कों संकुल बैठक का आयोजन उच्च प्राथमिक विद्यालय रुपईडीहा व उच्च प्राथमिक विद्यालय बाबागंज में किया गया। बैठक में बेसिक शिक्षा विभाग के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार और वृद्धि के लिए 30 दिन की कार्य योजना बनाई गई। बैठक का नेतृत्व संकुल शिक्षक अब्दुल कदीर व धर्मेंद्र श्रीवास्तव ने किया।गुणवत्ता आधारित गतिविधि व आदर्श पाठ योजना पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में बच्चों के स्वागत, शिक्षक छात्र आत्मीय संबंध, बेसलाइन आकलन, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के सहयोग, आउट ऑफ स्कूल/ ड्रॉप ऑफ बच्चों की पहचान और सब प्रतिशत नामांकन कक्षा शिक्षण में अनिवार्य समावेश एवं नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए रणनीति बनाई गई जिसमें खेल, कहानी, गतिविधि संवाद और नवाचार के माध्यम से बच्चों को विद्यालय से जोड़ने पर बल दिया गया।मीटिंग में विनय सिंह, वैभव सिंह, विनोद गिरि, अरविन्द कौल, सत्यभानु, रविन राठी, जब्बार अली, अभिराज सैनी, आनंद भूषण मिश्रा, आलिया खातून, श्वेता ,फरीद अहमद, शीबा तरन्नुम, विवेक शुक्ला, अमित कुमार कुंज बिहारी आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

कैसरगंज में हाईटेक चोरों का आतंक

जनगणना ट्रेनिंग के दौरान सरकारी कर्मचारी की बुलेट उड़ाई

72 घंटे बाद भी पुलिस बेनतीजा

हैंडल लॉक तोड़कर दिनदहाड़े बाइक चोरी

CCTV फुटेज मिलने के बाद भी चोर पुलिस की पकड़ से बाहर

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे बड़े सवाल

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला तहसील कैसरगंज में तैनात संग्रह अमीन विजय शंकर बर्मा से जुड़ा है, जो 18 अप्रैल 2026 को जनगणना प्रशिक्षण में शामिल होने के लिए गए थे दोपहर करीब 1 बजे जब बाहर निकले तो अपनी बुलेट मोटरसाइकिल (संख्याः यूपी 51 बीआर 6782) स्कूल के बाहर अन्य वाहनों के साथ खड़ी कर दी थी। बताया जा रहा है कि बाइक पूरी तरह हैंडल लॉक थी, लेकिन बेखौफ हाईटेक चोरों ने लॉक तोड़कर दिनदहाड़े वाहन पार कर दिया। जब प्रशिक्षण समाप्त हुआ तो पीड़ित बाहर पहुंचे, जहां उनकी बाइक गायब थी। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पीड़ित विजय शंकर बर्मा ने तत्काल आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज निकलवाई, जिसमें एक शातिर चोर बाइक ले जाते हुए साफ दिखाई दे रहा है। यह फुटेज पुलिस को सौंप दी गई, लेकिन घटना के 72 घंटे से ज्यादा समय बीत जाने के बावजूद कैसरगंज पुलिस अब तक न तो चोरी गई बाइक बरामद कर सकी है और न ही आरोपी को गिरफ्तार कर सकी है।इस मामले को लेकर सरकारी कर्मचारियों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि जब सरकारी ड्यूटी के दौरान सरकारी कर्मचारियों की संपत्ति तक सुरक्षित नहीं है, तो आम जनता की सुरक्षा का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है।क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि अगर पुलिस को उउळश फुटेज मिलने के बाद भी कार्रवाई में सफलता नहीं मिल रही है, तो यह कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। अब सभी की नजर पुलिस कार्रवाई पर टिकी है कि आखिर चोर कब सलाखों के पीछे पहुंचेंगे और चोरी गई बुलेट कब बरामद होगी।

कैसरगंज बाजार में गंदगी के बीच बिक रही चाय

महंगे दामों पर घटिया गुणवत्ता से लोग परेशान

मुख्य बाजार की चाय व जलपान दुकानों पर साफ-सफाई का अभाव, कार्रवाई की मांग तेज

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। तहसील मुख्यालय एवं नगर पंचायत क्षेत्र कैसरगंज के मुख्य बाजार में संचालित चाय और जलपान की दुकानों की स्थिति इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने दुकानों पर गंदगी, खराब गुणवत्ता की चाय और मनमाने दाम वसूले जाने का आरोप लगाया है।

केतलियों पर भिनभिनाती मक्खियाँ, गंदे बर्तनों में बन रही चाय

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई दुकानों पर साफ-सफाई का कोई ध्यान नहीं रखा जाता। चाय बनाने वाली केतलियों और बर्तनों पर मक्खियाँ भिनभिनाती देखी जा सकती हैं। आरोप है कि सुबह से देर रात तक एक ही बर्तन में बार-बार चाय बनाई जाती है, लेकिन उसकी नियमित सफाई नहीं होती।

12 रुपये की चाय, स्वाद और गुणवत्ता बेहद खराब

ग्राहकों के अनुसार बाजार में 10 से 12 रुपये तक चाय बेची जा रही है, लेकिन उसकी गुणवत्ता बेहद खराब है। लोगों का कहना है कि चाय में दूध की मात्रा कम और पानी अधिक रहता है, वहीं निम्नस्तरीय चायपत्ती का इस्तेमाल किया जाता है।इससे ग्राहक खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं।

स्वास्थ्य पर मंडरा रहा खतरा

गंदगी और अस्वच्छ माहौल में खाद्य पदार्थ तैयार होने से लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा बढ़ रहा है। बाजार आने वाले राहगीरों, व्यापारियों और आम नागरिकों को मजबूरी में इन्हीं दुकानों से चाय-नाश्ता लेना पड़ता है। ऐसे में संक्रामक बीमारियों की आशंका भी बनी रहती है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यशैली पर उठे सवाल

नगर पंचायत और तहसील मुख्यालय होने के बावजूद बाजार में खाद्य सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर सवाल उठ रहे हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन समय-समय पर निरीक्षण करे तो दुकानदारों को नियमों का पालन करना पड़ेगा।

जांच कर कार्रवाई की मांग

नगरवासियों ने जिलाधिकारी और खाद्य सुरक्षा विभाग से कैसरगंज बाजार की चाय व जलपान दुकानों की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा आम जनता को स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की है।

रुपईडीहा में जलभराव की समस्या का हुआ समाधान

सांसद आनंद गौड़ के लिखे पत्र का केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने लिया संज्ञान

अमन लेखनी समाचार / मोहम्मद कौसर

रुपईडीहा, बहराइच।नगर पंचायत रुपईडीहा क्षेत्र में लंबे समय से बनी जलभराव की गंभीर समस्या को लेकर स्थानीय बुद्धिजीवियों एवं सभासदों ने बहराइच के सांसद डॉ0 आनंद गौड़ से नाला निर्माण कराए जाने की मांग की थी। क्षेत्रवासियों ने बताया कि अधूरे नाले एवं समुचित जल निकासी व्यवस्था के अभाव में बरसात के दिनों में नगर के कई मोहल्लों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिससे आमजन को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की इस मांग को गंभीरता से लेते हुए सांसद डॉ. आनंद कुमार गौड़ ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर रुपईडीहा कस्बे में अधूरे नाले एवं जल निकासी की समस्या से अवगत कराया था।इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की ओर से दिनांक 07 अप्रैल 2026 को सांसद को प्रेषित पत्र में अवगत कराया गया है कि उनके पत्रांक टढ/ऊएछ/0349/2026 दिनांक 23 मार्च 2026 को प्राप्त पत्र, जो रुपईडीहा कस्बे में अधूरे नाले एवं जल निकास की समस्याओं से संबंधित है, उसे संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित कर दिया गया है।मंत्री कार्यालय से प्राप्त इस जवाब के बाद स्थानीय लोगों में समस्या के शीघ्र समाधान की उम्मीद जगी है। नगर पंचायत के सभासदों एवं बुद्धिजीवियों ने सांसद डॉ. आनंद कुमार गौड़ के प्रयासों की सराहना करते हुए आशा व्यक्त की है कि जल्द ही नाला निर्माण कार्य शुरू होगा, जिससे जलभराव की पुरानी समस्या से कस्बावासियों को राहत मिल सकेगी।

दहेज हत्या का आरोप पति और सास गिरफ्तार

महिला की संदिग्ध मौत, भाई ने दर्ज कराया 8 लोगों पर केस

अमन लेखनी समाचार

रूपा देवी, मृतक

प्रतापगढ़ ,एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मायके पक्ष ने ससुरालजनों पर दहेज हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतका के पति और सास को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।मामला रानीगंज थाना क्षेत्र के बाबूपट्टी गांव का है।मृतक के भाई शिव प्रकाश सरोज के अनुसार, उनकी बहन की शादी 2020 में सिंगाही गांव निवासी महेंद्र सरोज के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति और ससुराल पक्ष के लोग 2 लाख रुपए दहेज की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित कर रहे थे। परिजनों के मुताबिक, रात करीब 9 बजे उन्हें घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर महिला घर के अंदर बेड पर मृत अवस्था में मिली। मृतका के भाई ने आरोप लगाया है कि उसकी बहन की हत्या पति महेंद्र सरोज, सास रेखा सरोज समेत अन्य परिजनों रेखा, रवि और किरण ने मिलकर की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर कुल 8 लोगों के खिलाफ दहेज हत्या समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया गया और बाद में परिजनों को सौंप दिया गया। रविवार दोपहर पुलिस ने नरसिंहगढ़ पुल के पास चेकिंग के दौरान पति महेंद्र सरोज (36) और सास रेखा सरोज (55) को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है ।

संक्षेप

पुलिस ने वांछित को पकड़ा

ई-रिक्शे को टक्कर मारने के मामले में फरार था, आरोपी से बलेनो कार बरामद

बागपत , पुलिस ने एक मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त अयान को गिरफ्तार किया है। अयान पुत्र इंतजार अली, निवासी जाकिर कॉलोनी, थाना लोहिया नगर, जनपद मेरठ का रहने वाला है। पुलिस ने उसे एक गुप्त सूचना के आधार पर पकड़ा कोतवाली प्रभारी ब्रजेश कुमार के अनुसार, अयान लंबे समय से सड़क हादसे में वांछित था, जिसमें ई रिक्शा को टक्कर मारने पर एक व्यक्ति की मौत हुई थी और 2 अन्य घायल हुए थे। आरोपी की तलाश की जा रही थी। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक बलेनो कार भी बरामद की है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियुक्त से पूछताछ जारी है। इस पूछताछ का उद्देश्य मामले से जुड़े अन्य पहलुओं का खुलासा करना और यह पता लगाना है कि इस घटना में कोई और व्यक्ति शामिल है या नहीं। गिरफ्तारी के बाद, पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। उसे जल्द ही न्यायालय में पेश किया जाएगा। बागपत पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके और अपराधों पर अंकुश लगाया जा सके।

चमरावल में शराब ठेके का विरोध

ग्रामीणों ने की बड़ी पंचायत, मुख्यमंत्री दरबार तक ले जाने की चेतावनी

बागपत ,चमरावल गांव में शराब के ठेके को लेकर ग्रामीणों का विरोध लगातार जारी है। स्थानीय लोगों ने ठेके को बंद कर दिया है और चेतावनी दी है कि जब तक इसे स्थायी रूप से हटाया नहीं जाता, विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। प्रशासन ने इस मुद्दे के समाधान के लिए दो दिन का समय मांगा था। हालांकि, ग्रामीणों का आरोप है कि दो दिन बीत जाने के बाद भी ठेके को हटाया नहीं गया है। कुछ ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि अधिकारियों द्वारा उन पर फैसला बदलने का दबाव बनाया जा रहा है। हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि वे किसी भी कीमत पर गांव में शराब के ठेके को बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसी क्रम में, आज चमरावल गांव में एक महत्वपूर्ण पंचायत का आयोजन किया गया। इसमें गांव के ग्रामीण, क्षेत्र के सैकड़ों लोग, बड़ी संख्या में महिलाएं, किसान नेता और स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

कचहरी में वकीलों के दो गुटों में मारपीट

जिला बार चुनाव विवाद में प्रत्याशी घायल, चेंबर-गाड़ी में तोड़फोड़; पुलिस तैनात

मेरठ , कचहरी परिसर में शनिवार देर रात जिला बार एसोसिएशन के चुनावी माहौल के बीच वकीलों के दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई। महामंत्री पद के एक प्रत्याशी पर टिप्पणी को लेकर शुरू हुआ विवाद मारपीट में बदल गया, जिसमें एक वकील घायल हो गया। जानकारी के मुताबिक, महामंत्री पद के प्रत्याशी देवेंद्र शर्मा अपनी चुनावी तैयारियों में व्यस्त थे। इसी दौरान उनके एक समर्थक और वकील गजेश मलिक व अमित धामा के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। यह विवाद जल्द ही बढ़ गया और दोनों पक्षों के समर्थक आमने-सामने आ गए

भीषण गर्मी ने किया बेहाल, तापमान 44डिग्री

सुबह से ही आसमान से बरस रही आग, हीट स्ट्रोक का बढ़ा खतरा

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , इन दिनों भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। सुबह से ही तेज धूप निकल जाती है और तापमान लगातार बढ़ रहा है। अप्रैल में ही तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, जबकि अधिकतम तापमान 44त्ठ तक दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार आज तापमान 44डिग्री तक जा सकता है, जिससे प्रयागराज प्रदेश के सबसे गर्म जिलों में दूसरे स्थान पर बना हुआ है।सोमवार को मौसम में थोड़ा बदलाव देखने को मिला, तेज लू के साथ शाम तक बादल भी छाए रहे। लेकिन मंगलवार सुबह से फिर कड़ी धूप निकल आई है। गर्म हवाओं और चुभती धूप से ऐसा महसूस होता है जैसे आग बरस रही हो। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा छा जाता है और जो लोग बाहर निकलते हैं, वे सिर ढककर या छाता लेकर चलते नजर आते हैं। संगम क्षेत्र की रेत पर सबसे ज्यादा गर्मी महसूस की जा रही है।इस तेज गर्मी का सबसे ज्यादा असर स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है। दोपहर में छुट्टी होने के कारण बच्चों को तेज धूप में घर लौटना पड़ता है, जिससे थकान, डिहाइड्रेशन और लू की समस्या बढ़ रही है। अभिभावक बच्चों को टोपी, छाता, पानी की बोतल और ग्लूकोज देकर भेज रहे हैं, लेकिन फिर भी राहत कम मिल रही है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। अब कक्षा 1 से 8 तक के स्कूल सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलेंगे, ताकि बच्चों को तेज धूप से बचाया जा सके।

स्वास्थ्य विभाग ने जारी की चेतावनी

वहीं स्वास्थ्य विभाग ने भी अलर्ट जारी किया है। जिला अस्पताल और स्वरूप रानी अस्पताल के डॉ संतोष सिंह का कहना है कि लोग दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच बाहर निकलने से बचें। अगर जरूरी हो तो शरीर को ढककर रखें और पर्याप्त पानी पिएं। हीट स्ट्रोक के बढ़ते मामलों को देखते हुए अस्पतालों में भी विशेष इंतजाम किए गए हैं।

धूप और गर्मी से बचने के आसान उपाय:

- बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन जरूर लगाएं
- हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें
- धूप का चश्मा और टोपी का इस्तेमाल करें
- दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें
- नींबू पानी, नारियल पानी और सत्तू जैसे ठंडे पेय लें

दोनों हाथ गंवाने वाले बच्चे को मिलेगा 26.65 लाख

बिजली विभाग की लापरवाही, हाईकोर्ट ने निचली अदालत के निर्णय गलत ठहराया

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में बिजली विभाग की लापरवाही को गंभीर मानते हुए पीड़ित युवक को 26.65 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह मामला उस दर्दनाक हादसे से जुड़ा है जिसमें बचपन में एक मासूम ने बिजली के ट्रांसफार्मर की चपेट में आकर अपने दोनों हाथ गंवा दिए थे।

आगरा का है मामला

यह दर्दनाक घटना 1 मार्च 1997 को आगरा के नगला पदी क्षेत्र में स्थित एक प्राथमिक विद्यालय के पास हुई थी। उस समय सात वर्षीय बच्चा पप्पू स्कूल के बाहर खेल रहा था। स्कूल के गेट के पास 11,000 वोल्ट का ट्रांसफार्मर खुले में रखा हुआ था और उसके चारों ओर किसी प्रकार की फेंसिंग या सुरक्षा घेरा नहीं लगाया गया था। खेलते समय बच्चा अनजाने में ट्रांसफार्मर के संपर्क में आ गया, जिससे उसे जोरदार करंट लगा। इस हादसे में उसके दोनों हाथ बुरी तरह झुलस गए और डॉक्टरों को उसकी जान बचाने के लिए कंधे के नीचे से दोनों हाथ काटने पड़े। हादसे के बाद पीड़ित ने अपने पिता के माध्यम से मुआवजे के लिए मुकदमा दायर किया था, लेकिन वर्ष 2005 में निचली अदालत ने यह कहते हुए उसका दावा खारिज कर दिया था कि यह घटना बच्चे की अपनी लापरवाही से हुई। इस फैसले के खिलाफ पीड़ित ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील दाखिल की, जहां अदालत ने निचली अदालत के निर्णय को पूरी तरह गलत ठहराया।

कोर्ट ने कहा-सुरक्षा देनी होगी

मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति संदीप जैन ने स्पष्ट किया कि सात साल के बच्चे से तर्कसंगत सोच या सावधानी की अपेक्षा नहीं की जा सकती, इसलिए उस पर लापरवाही का आरोप नहीं लगाया जा सकता। अदालत ने अपने फैसले में ह्यस्ट्रिक्ट लायबिलिटी यानी कठोर दायित्व के सिद्धांत को लागू करते हुए कहा कि बिजली एक अत्यंत खतरनाक वस्तु है और इसकी आपूर्ति करने वाली संस्था की जिम्मेदारी है ।

प्राइवेट बस ने 4 वाहनों में मारी टक्कर

कई लोग घायल, मेडिकल अस्पताल में किए गए भर्ती, भीड़ ने चालक को पीटा

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , तेजगढ़ी चौराहे पर एक प्राइवेट बस ने ईरिक्शा सहित कारों में टक्कर मार दी। एक के बाद एक वाहनों में टक्कर होती चली गई। जिसकी वजह से कई लोग घायल हो गए। घायलों को मेडिकल अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। इसमें 3 की हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं फरार बस चालक फुरकान को थोड़ी देर बाद भीड़ ने पकड़कर उसे पुलिस को सौंप दिया है।पूरा मामला है। जब मेडिकल थाना क्षेत्र के तेजगढ़ी चौराहे पर दोपहर लगभग ढाई बजे करीब एक प्राइवेट बस पीवीएस मॉल की ओर से आ रही थी। बस गढ़ रोड की ओर जा रही थी। बस में सवारियां भी सवार थीं। जैसे ही ये निजी बस तेज निजी बस तेजगढ़ी चौराहे के पास पहुंची तो बस चालक ने आगे जा रहे एक ईरिक्शा में पीछे से टक्कर मार दी।ईरिक्शा में 5 सवारियां बैठी थीं। इसमें 3 पुरुष और दो महिलाएं थी।टक्कर लगते ही ईरिक्शा पलट गया। गनीमत रही कि बस रिक्शा के ऊपर नहीं चढ़ी। बस चालक ने टक्कर के बाद भी बस नहीं रोकी और बस लेकर चला गया। ईरिक्शा में टक्कर लगने से सवारियां गिर पड़ीं। भीड़ ने किसी तरह सभी सवारियों को उठाया और मेडिकल अस्पताल पहुंचाया।इसमें तीनों पुरुषों की हालत गंभीर हैं। अन्य दोनों महिलाएं भी घायल हैं। सभी का मेडिकल अस्पताल में इलाज चल रहा है।दिल्ली से आया परिवार बाल-बाल बचाईरिक्शा में टक्कर मारने के बाद बस चालक ने आगे चल रही एक कार में टक्कर मार दी। रिट्ज कार दिल्ली मयूर विहार निवासी प्रशांत की है। प्रशांत दिल्ली से मेरठ रिश्तेदारी में तेरहवीं में आए थे। कार में प्रशांत के साथ पिता एसएन दीक्षित और मां विमला दीक्षित थी। टक्कर लगने से कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

सेंट्रल मार्केट के व्यापारी बोले- हम कट्टर भाजपाई

थाना प्रभारी ने धमकाया, 2 दिन में समाधान नहीं तो नई रणनीति के तहत आएंगे सामने

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , सेंट्रल मार्केट प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट का आदेश आए आज 10 दिन हो गए हैं,तभी से सेक्टर 2 में महिलाओं का धरना प्रदर्शन जारी है। सरकार से न्याय की गुहार लगाने को यह धरना प्रदर्शन चल रहा है। धरने के दौरान महिलाओं ने प्रेस वार्ता की। जिसमें उन्होंने सरकार को दो दिन का समय देते हुए कहा कि आज हमें 10 दिन हो गए हैं। यदि 12 दिन के अंदर इसका समाधान नहीं होता है तो 13 वे दिन हम अपनी नई रणनीति के तहत तैयार की गई रूपरेखा के साथ सामने आएंगे। हालांकि अब देखने की बात यह है कि 2 दिन में इनको रात मिलती है या 13 वे दिन महिलाएं क्या कुछ करती हैं।प्रशासन ने दिए नोटिस व्यापारियों के धरने में अगर कोई भारी व्यक्ति पहुंचता है तो उसको भी रोका जा रहा है।इसी क्रम में जहां एडीएम सिटी बृजेश कुमार और नौचंदी थाना प्रभारी अनूप कुमार सिंह व्यापारियों के बीच पहुंचे थे और वार्ता की थी। इसके बाद भी व्यापारियों ने बताया था कि प्रशासन और पुलिस हमारे ऊपर दबाव बनाकर यह प्रदर्शन खत्म करना चाहती है।इसी के चलते आज पुलिस प्रशासन द्वारा धरने पर पहुंचे विजय राघव को न्यायालय की अवमानना के तहत नोटिस दिया गया।हम कट्टर भाजपाई, विपक्ष का क्या विरोध महिलाओं ने बताया कि हमने विपक्ष का विरोध भी किया क्योंकि हमें यह उम्मीद थी कि सरकार का कोई जनप्रतिनिधि आकर हमारे बीच पहुंचेगा और हमारी मदद करेगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। आज भी हमें पूर्ण रूप से सरकार पर उम्मीद है क्योंकि हम कट्टर भाजपाई हैं। शुरूआत से ही हम भाजपा को वोट करते आए हैं।ऐसे में जब भाजपा के जनप्रतिनिधि ही हमारी कहीं सुनवाई नहीं कर रहे हैं तो इस बात से हमारे अंदर नाराजगी है।महिलाएं बोली थाना प्रभारी ने धमकाया धरने पर बैठी महिलाओं ने बताया कि बीते दिन जब नौचंदी थाना प्रभारी हमसे बात करने आए तो उन्होंने हमें धमकी दी की यदि वह प्रदर्शन को खत्म नहीं करते हैं तो उनके और उनके परिवार के ऊपर मुकदमा दर्ज कर दिया जाएगा।

हम लोग जहां शांतिप्रिय तरीके से अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं

टीकाकरण के बाद बच्चे की मौत

परिजन बोले-टीका लगाने के बाद बुखार आया, डॉक्टर ने सिरप की जगह गलत टेबलेट दे दी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , सुबह 3 महीने के बच्चे की मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों का आरोप है कि उनके बच्चे को टीका लगाया था। टीकाकरण के बाद बच्चे को बुखार आया था।इसे ठीक करने के लिए डॉक्टर ने बच्चे को ओरल मेडिसन की जगह टेबलेट खिला दी। उस गलत टेबलेट के कारण बच्चे की मौत हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया। पूरा मामला कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र के दायमपुर गांव का है।

टीका लगाने के बाद आया बुखार

दायमपुर गांव के रहने वाले ब्रजपाल मैकेनिक का काम करते हैं। ब्रजपाल की शादी 5 साल पहले हुई थी। उसके 2 साल की एक बेटी वैष्णवी है। वहीं, 3 महीने पहले घर में एक बेटे का जन्म हुआ था। बच्चे को रेगुलर टीकाकरण के तहत टीका लगना था। गांव की एएनएम रूपा चौधरी ने घर आकर बच्चे को टीका लगा दिया। टीकाकरण के बाद बच्चों को बुखार से बचाने के लिए ओरल दवा दी जाती है। एएनएम ने ओरल की जगह टेबलेटब्रजपाल का आरोप है- एएनएम रूपा चौधरी ने उसके बच्चे को ओरल की जगह टेबलेट दे दी। इस टेबलेट को बच्चा सही से खा नहीं पाया। जब हमने एएनएम से ओरल सिरप मांगा तो उसने कहा कि आज सिरप खत्म हो गया है। कुल तीन डोज थी, जो पहले के तीन बच्चों को बंट गई है। इसलिए अब ओरल दवा नहीं है। गोली देनी पड़ेगी। बात मानकर ब्रजपाल उसकी पत्नी ने वो गोली बच्चे को दे दी।दूध की उल्टी के बाद दम तोड़ाब्रजपाल के जीजा अनिल का आरोप है- बच्चा शाम सात बजे तक ठीक था। हमने बच्चे को शाम सात बजे देखा वो सही था। लेकिन देर रात अचानक उसे तेज बुखार चढ़ा।

बच्ची से दुष्कर्म करने वाले का एनकाउंटर

पुलिस के रोकने पर फायरिंग करके भाग रहा था, दोनों पैरों में गोली मारकर पकड़ा

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , पुलिस ने (7) साल की बच्ची से दुष्कर्म करने वाले को दोनों पैर में गोली मारकर अरेस्ट कर लिया। रात को ग्रीन बेल्ट रोड पर पुलिस चेकिंग कर रही थी। तभी वह उस रास्ते से पैदल गुजर रहा था।पुलिस ने शक के आधार पर उसे रोकने का प्रयास किया। जिस पर वह पुलिस पर फायरिंग करके भागने लगे। जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। गोली उसके दोनों पैरों में लगी। वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस ने दौड़कर उसे दबोच लिया। वह खड़ा नहीं हो पा रहा था। पुलिस उसे कंधे पर टांगकर गाड़ी तक ले गई। वहां से इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां पर उसका इलाज चल रहा है। इलाज के बाद पुलिस उससे पूछताछ करेगी। घटना रात इंदिरापुरम इलाके की है। इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया- रात करीब एक बजे गौर ग्रीन से कनावनी पुलिया की ओर आने वाली ग्रीन बेल्ट रोड पर पुलिस चेकिंग कर रही थी। इस बीच पुलिस को एक संदिग्ध युवक आते हुए दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया लेकिन वह नहीं रुका। फायरिंग करके भागने लगा। दोनों पैरों में गोली लगने पर लहूलुहान होकर जमीन पर गिरा उसके पीछे पुलिस वाले भी दौड़ पड़े। दोनों तरफ से गोलीबारी हुई। पुलिस की गोली बदमाश के दोनों पैरों में आकर लगी। वह लड़खड़ा कर जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस ने उसे पकड़ लिया। उसके पास से एक तमंचा और चोरी किए 10 हजार रुपये बरामद किए हैं। उसकी पहचान फरुर्खाबाद के रहने वाले अल्फाजुद्दीन (22) के रूप में हुई है।

सेंट्रल मार्केट के धरने में शामिल होने वालों को नोटिस

मेरठ में व्यापारी बोले - प्रशासन तानाशाह रवैया दिखा रहा, प्रदर्शन खत्म कराना चाहता है

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , सेंट्रल मार्केट प्रकरण को लेकर चल रहा प्रदर्शन 10वें दिन भी जारी रहा। महिलाएं अब भी सड़क पर बैठकर विरोध जता रही हैं। इस बीच प्रशासन ने सख्ती बढ़ाते हुए व्यापारियों के समर्थन में पहुंचने वालों को कोर्ट की अवमानना का नोटिस देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में, जब किसान मजदूर संगठन के महानगर अध्यक्ष विजय राघव व्यापारियों के समर्थन में मौके पर पहुंचे, तो पुलिस ने उन्हें भी न्यायालय की अवमानना का नोटिस थमा दिया।

पहले भी थी पाबंदी

पुलिस और प्रशासन द्वारा लगातार इस मामले में पहले से ही बाहरी लोगों के आने पर पाबंदी लगाई जा रही है। एसपी सिटी विनायक गोपाल भोंसले और एडीएम सिटी ने भी व्यापारियों से अपील का थी कि वह बाहर के लोगों को इसमें शामिल न करें और प्रदर्शन को खत्म कर दें।इसी क्रम में संयुक्त व्यापार संघ द्वारा बीती 17 अप्रैल को हल्ला बोल कार्यक्रम के तहत आवास विकास के कार्यालय के घेराव का आहवान किया गया था। इसमें भी पुलिस द्वारा अध्यक्ष नवीन गुप्ता को हाउस अरेस्ट करते हुए 20 से अधिक लोगों पर तस्करा भी दर्ज किया था। साथ ही व्यापारियों के बीच आने के लिए निकले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को भी पुलिस ने नोएडा में ही हिरासत में ले लिया था।

प्रशासन लगातार बना रहा दबाव

धरने पर बैठी महिलाओं का कहना है कि कल भी एडीएम सिटी और पुलिस के अधिकारियों द्वारा हमारे ऊपर धरना खत्म करने को लेकर दबाव बनाया गया। इसके साथ-साथ हमें धमकियां भी दी जा रही हैं कि अगर कोई आपके बीच आएगा या आप भी अगर यह धरना खत्म नहीं करोगे तो सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज होगा। राष्ट्रपति शासन या आपातकालीन स्थितिनोटिस मिलने के बाद विजय राघव का कहना है कि मेरठ में न ही तो राष्ट्रपति शासन लागू है न ही कोई आपातकालीन स्थिति है।

43 संविदाकारों को नोटिस

10 के लाइसेंस निरस्त, श्रम कानून का उल्लंघन पर कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , श्रमिकों के बीच हुई हिंसा के बाद प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में, श्रम विभाग ने सख्त कदम उठाते हुए 43 संविदाकारों को नोटिस जारी किए हैं और 10 के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं।अपर श्रमायुक्त गौतम बुद्ध नगर राकेश द्विवेदी ने इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनपद में औद्योगिक शांति और श्रमिक हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए श्रम विभाग लगातार निरीक्षण और प्रवर्तन की कार्रवाई कर रहा है। विभिन्न प्रतिष्ठानों में कार्यरत संविदाकारों द्वारा श्रम कानूनों के अनुपालन में अनियमितताएं पाई गई थीं। इसी के मद्देनजर, कुल 43 नोटिस जारी किए गए और गंभीर उल्लंघनों के मामलों में 10 संविदाकारों के लाइसेंस निरस्त किए गए हैं।पूर्व में जारी नोटिसों के आधार पर, 10 गंभीर उल्लंघन वाले संविदाकारों के लाइसेंस रद्द करते हुए उन्हें काली सूची में डालने के लिए श्रमायुक्त, उत्तर प्रदेश को पत्र भेजा गया है। द्विवेदी ने यह भी कहा कि जनपद की औद्योगिक इकाइयों में शांति बनाए रखने, श्रमिकों के अधिकारों को सुनिश्चित करने और अवैध गतिविधियों में शामिल संविदाकारों के खिलाफ निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी।

पार्किंग में खड़े 3 ट्रकों में लगी आग

ग्रेटर नोएडा में कूड़े के ढेर से फैली लपटें, दमकल ने पाया काबू

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर , ग्रेटर नोएडा के बादलपुर थाना क्षेत्र में पार्किंग में खड़े तीन ट्रकों में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई, लेकिन आग लगने से कुछ देर के लिए इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि बादलपुर गांव के पास बनी पार्किंग में कई ट्रक खड़े थे। इसी दौरान पास में लगे कूड़े के ढेर में आग सुलग रही थी। तेज हवा के चलते आग ने अचानक विकराल रूप ले लिया और लपटें ट्रकों तक पहुंच गईं। देखते ही देखते तीनों ट्रक आग की चपेट में आ गए। तीन दमकल गाड़ियों ने बुझाई आग जिला दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि दोपहर करीब 2:45 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। तुरंत दमकल की तीन गाड़ियों को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर नियंत्रण पा लिया। तीनों ट्रक जलकर राख हालांकि दमकल टीम ने समय रहते आग बुझा दी, लेकिन तब तक तीनों ट्रक पूरी तरह जलकर राख हो चुके थे। आग लगने के कारणों की अभी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस और दमकल विभाग पूरे मामले की जांच कर रहे हैं।

नोएडा हिंसा- आरोपी के पास मजदूरों का पूरा डेटा

बीटेक पास कर नौकरी करने आया, 5 साल पहले संगठनों से जुड़ा

अमन लेखनी समाचार

नोएडा,श्रमिकों के हिंसक आंदोलन का आरोपी आदित्य आनंद पांच साल पहले बिहार से नौकरी करने आया था। उसने फेसबुक पर मजदूरों के संगठन 'मजदूर बिगुल' के बारे में पढ़ा। 2022 में उससे जुड़ गया।मजदूर बिगुल एक तरह का संगठन था, जो मजदूरों से जुड़ा हुआ था। सोशल मीडिया पर इसका पेज बना हुआ था। मजदूर बिगुल के संपादक अनुभव सिन्हा के संपर्क में आया, नोएडा की फैक्ट्रियों में हो रही घटनाओं की रिपोर्टिंग करने लगा।इसी दौरान, उसकी मुलाकात मजदूर संगठन के प्रमुख रुपेश राय से हुई। रुपेश भी आदित्य के साथ रिपोर्टिंग पर जाने लगा। दोनों ने नोएडा की इंडस्ट्री का पूरा डेटा बनाया। दावा किया कि मजदूरों के इसी डेटा के साथ 30 मार्च से 1 अप्रैल के बीच नोएडा के सेक्टर-37 अरुण विहार के एक कमरे में पांच संगठन मजदूर बिगुल, दिशा संगठन, आरडब्लूपीआई, नौजवान भारत सभा और एकता संघर्ष समिति के लोग इकट्ठा हुए थे।सॉफ्टवेयर इंजीनियर आदित्य ने वॉट्सएप से जुटाई भीड़अपर पुलिस अधीक्षक राजकुमार मिश्रा ने बताया- तीन दिन तक आदित्य आनंद के घर पर प्लानिंग की गई। नोएडा की इंडस्ट्री और मजदूरों को किस तरह से हिंसक बनाया जाए, इसकी तैयारी की गई।

झांसी में 'हिन्दू बेटी बचाओ संघर्ष समिति' का ज्ञापन

सामाजिक सुरक्षा और कड़े कानूनों की उठी मांग

अमन लेखनी समाचार

झाँसी। जनपद में सामाजिक सुरक्षा, महिला संरक्षण और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की मांग को लेकर हिन्दू बेटी बचाओ संघर्ष समिति, झांसी द्वारा एक विस्तृत ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को प्रेषित किया गया। इसके पूर्व मुक्ताकाशी मंच पर एक महापंचायत का आयोजन किया गया जिसमें जनपद के विभिन्न हिंदूवादी एवं अन्य सामाजिक संगठनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत विधिवत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, दीप प्रज्वलन में मुख्य रूप से नीरज गुप्ता प्रांत सयोजक, डॉ संदीप सरावगी, आशीष उपाध्याय, जयदीप खरे, पीयूष रावत, सक्षम जी जिला प्रचारक, सोमेंद्र जी विश्व हिन्दू परिषद, सौरव जी हिन्दू जागरण मंच आदि उपस्थित रहे। ज्ञापन में तथाकथित 'लव जिहाद' से जुड़े मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए कठोर विधिक एवं प्रशासनिक प्रावधान लागू करने की मांग की गई है। समिति ने अपने ज्ञापन में कहा कि राज्य में छल, प्रलोभन अथवा दबाव के माध्यम से होने वाले कथित धर्मांतरण और उससे जुड़े अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है, ताकि सामाजिक संतुलन एवं जन-सुरक्षा को मजबूती मिल सके। इसी क्रम में कई महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए गए। ज्ञापन में प्रत्येक जनपद में ऐसे मामलों की सुनवाई हेतु विशेष पुलिस थानों की स्थापना और गहन जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन यूनिट के गठन की मांग की गई है। साथ ही मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए फास्ट ट्रैक न्यायालयों की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया, जिसमें छह माह के भीतर ट्रायल पूर्ण करने की व्यवस्था हो। समिति ने इस प्रकार की गतिविधियों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले व्यक्तियों जैसे षड्यंत्रकर्ता, आर्थिक सहायता देने वाले और फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराने वालों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई करने की बात कही है। इन अपराधों को संगठित अपराध की श्रेणी में रखते हुए सख्त कानून लागू करने का आग्रह भी किया गया।समिति ने समान नागरिक संहिता के क्रियान्वयन पर भी जोर देते हुए विवाह एवं पारिवारिक मामलों में समानता, पारदर्शिता और न्याय सुनिश्चित करने की बात कही। साथ ही विदेश भेजे जाने की स्थिति में महिलाओं की सुरक्षा हेतु पूर्व सूचना, सत्यापन और निगरानी व्यवस्था लागू करने का सुझाव दिया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रजनी वर्मा, रंजना वर्मा, जीतू सोनी, मोहित अग्रवाल, रोहित महरौलिया, अरुण कुशवाहा, हर्षित, अनुज, सुमित विश्वकर्मा, पुरुषोत्तम स्वामी, उपेंद्र बबेले, वासु पोखरेल, जीतू शिवहरे, राघव वर्मा, संजय राष्ट्रवादी, पुरुकेष अमरया आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। ज्ञापन के अंत में समिति ने इन सभी प्रस्तावों को लागू कर राज्य में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है। यह ज्ञापन सामाजिक सरोकारों और सुरक्षा के मुद्दों को लेकर उठाई गई एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

सोनभद्र में स्मार्ट मीटर के खिलाफ किसानों का उग्र प्रदर्शन, एक सप्ताह में कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। बिजली विभाग के खिलाफ आक्रोश उस समय खुलकर सामने आया जब किसान नौजवान मोर्चा के बैनर तले बड़ी संख्या में किसानों और युवाओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।प्रदर्शनकारियों ने स्मार्ट मीटर व्यवस्था के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। प्रदर्शन का नेतृत्व मोर्चा के संयोजक संदीप मिश्रा ने किया। इस दौरान मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा गया, जिसमें स्मार्ट मीटर को तत्काल हटाने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि स्मार्ट मीटर में तकनीकी खामियां हैं जिसके चलते उपभोक्ताओं को अत्यधिक बिजली बिल भेजे जा रहे हैं। किसानों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में हालात और भी खराब हैं, जहां गरीब परिवारों को लाखों रुपये तक के बिजली बिल थमाए जा रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ रहा है। मोर्चा के कार्यकताओं ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए विजिलेंस टीम पर भी भ्रष्टाचार और अवैध वसूली के आरोप लगाए। उनका कहना है कि कई मामलों में सेटलमेंट के नाम पर पैसों की मांग की जाती है, जो पूरी तरह से अनुचित है। प्रदर्शन के दौरान यह भी आरोप लगाया गया कि जनप्रतिनिधि इस गंभीर समस्या को नजरअंदाज कर रहे हैं, जिससे आम जनता में नाराजगी बढ़ती जा रही है। किसान नौजवान मोर्चा ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो वह बड़े स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होंगे। साथ ही उन्होंने पुराने मीटर दोबारा लगाने की मांग भी दोहराई है।

खास समाचार

गरौठा में संविदा कर्मचारियों की बैठक, कार्यबहिष्कार की चेतावनी

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन निविदा/संविदा कर्मचारी संघ के तत्वावधान में गरौठा में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कर्मचारियों के लंबित वेतन, पद से हटाए जाने और बढ़ते कार्यभार जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। संघ के प्रदेश संगठन महामंत्री रण विजय सिंह यादव ने बताया कि संविदा कर्मचारियों को पिछले लगभग दो माह से वेतन नहीं मिला है, जिससे उनके सामने परिवार के भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी लगातार कार्य कर रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें बिना कारण हटाया जा रहा है, जो अत्यंत चिंताजनक है। बैठक में निर्णय लिया गया कि कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। यदि इसके बाद भी मांगों पर सुनवाई नहीं होती है, तो प्रदेश स्तर पर कार्यबहिष्कार कर उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान झांसी जिला अध्यक्ष जीतू सोनी, अंकित रावत, शिवकुमार, रामखिलोने सहित क्षेत्र के समस्त संविदा कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा के पूर्व नेता अखिलेश पाठक सपा में शामिल, लखनऊ में ली सदस्यता

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। जिले की राजनीति में एक अहम बदलाव देखने को मिला है। भाजपा के पूर्व नेता और ब्राह्मण चेहरे के रूप में पहचान रखने वाले अखिलेश पाठक ने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया है। उन्होंने लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मौजूदगी में सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान अखिलेश पाठक ने पार्टी मुखिया का चांदी का मुकुट पहनाकर स्वागत किया। पाठक 2012 में शाहाबाद विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं। 2017 और 2022 में टिकट न मिलने से वे नाराज रहे और 2022 में बागी होकर चुनाव भी लड़ा, लेकिन सफलता नहीं मिली। भाजपा में वे जिला उपाध्यक्ष और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जैसे पदों पर रह चुके हैं। अब उनके सपा में शामिल होने के बाद उनकी नई भूमिका को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

ग्रीन कॉरिडोर-2 कार्य के चलते बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

अमन लेखनी समाचार

ककरवई। गरौठा क्षेत्र के ककरबई विद्युत उपकेंद्र से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों में आगामी दो दिनों तक बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी। विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार भारत सरकार की महत्वपूर्ण ग्रीन कॉरिडोर-2 परियोजना के अंतर्गत 400 केवी उरईझगरौठा लाइन पर टावर स्ट्रिंगिंग का कार्य किया जाना है। इस कार्य के चलते 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र ककरबई से पोषित 11 केवी धनौरा ग्रामीण फीडर से जुड़े सभी गांवों में 22 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 6 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। अवर अभियंता राम भवन चौहान ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि कार्य अवधि के दौरान सहयोग बनाए रखें, जिससे कार्य समय पर पूरा किया जा सके।

नवयुग मेडिकल सेन्टर के डाक्टरों ने की दुर्लभ न्यूरो सर्जरी, 16 साल के बालक को मिला नया जीवन

नवयुग मेडिकल सेन्टर मे हो रहा न्यूरो समस्याओं का निदान, डाक्टरों की टीम ने किया दुर्लभ सर्जरी

अमन लेखनी समाचार

बस्ती / मालवीय रोड स्थित नवयुग मेडिकल सेण्टर मे चिकित्सकों की टीम ने एक दुर्लभ न्यूरो सर्जरी कर बालक की जान बंचाई। बालक के अभिभावक ने इस सफल न्यूरो सर्जरी के लिये चिकित्सकों की टीम को धन्यवाद देते हुये उनके प्रति आभार जताया है। मेडिकल सेण्टर के सर्जन डा. अभिजात कुमार ने जानकारी देते हुये बताया कि बच्चा अब पूरी तरह से स्वस्थ है। आज से छुट्टी दी जा रही है। यह सर्जरी अपने आप मे काफी क्रिटिकल थी। इस सफलता को हम नवयुग मेडिकल सेन्टर की खास उपलब्धि मान रहे हैं। न्यूरो सर्जन डा. आदित्यधर द्विवेदी ने बताया कि छत से गिरने के बाद बच्चे के दिमाग मे खून जम गया था। वक्त बहुत ही कम था। लखनऊ पहुंचकर उसे अस्पताल मे एडमिट करने तक गोल्डन आवर समाप्त हो जाता। ऐसे मे कुछ भी हो सकता थां। टीमवर्क ने दुलर्भ न्यूरो सर्जरी कर बच्चे को नया जीवन दिया है। शहर के धर्मशाला रोड निवासी सुशील पाण्डेय ने बताया कि उनका बेटा क्रिकेट खेलते समय घर की छत से आंगन मे गिर गया था। उसे सिंर मे गंभीर चोटें आई थीं। मामला न्यूरो से सम्बन्धित था और काफी गंभीर हो चुका थां लखनऊ मे अस्पतालों से संपर्क करने पर सर्जरी का खर्च 8 से 10 लाख रूपया बताया गया। सुशील पाण्डेय ने बताया कि एक और परामश्र लेने के लिये नवयुग मेउकल सेन्टर के सर्जन डा. दिव्यजात से संवर्क किया। उनकी टीम ने सर्जरी की सलाह दी। सहमति लेने के उपरान्त मेडिकल सेन्टर के डायरेक्टर डा. अभिजात कुमार, न्यूरो सर्जन डा. आदित्यधर द्विवेदी, डा. सर्वेश और दिव्यजात कुमार, आशुतोष श्रीवास्तव की टीम ने सर्जरी की जो सफॅल रही। उन्होने कहा बस्ती मे अब न्यूरों की समस्याओं का निदान होने लगा है। लखनऊ जाने से पहले एक बार नवयुग मेडिकल सेन्टर से परामर्श जरूर लेना चाहिये। चिकित्सकों की टीम ने बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दंपति की मौत, तीन माह की मासूम शवों के पास रोती मिली

हादसा

अमन लेखनी समाचार

पचदेवरा ! थाना क्षेत्र के अंतर्गत मंगलवार सुबह गंगा एक्सप्रेसवे की सर्विस लेन पर सेढामऊ अंडरपास के निकट दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दंपति की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद तीन माह की मासूम बच्ची अपने माता-पिता के शवों के पास रोती-बिलखती मिली जिसे देखकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों की आंखें नम हो गईं। मंगलवार सुबह खेतों की ओर गए ग्रामीणों की नजर सड़क किनारे क्षतिग्रस्त बाइक सवार दंपति के शव और पास में रो रही मासूम बच्ची पर पड़ी। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पचदेवरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। ग्रामीणों के अनुसार अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार सियाराम (22) वर्ष और उनकी पत्नी नीलम (20) वर्ष निवासी ग्राम गहवरा थाना पाली की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि दंपति की शादी करीब दो एक वर्ष पूर्व हुई थी और उनकी तीन माह की एक मासूम बच्ची है। सियाराम ग्राम गहवरा में अपनी ननिहाल में रहता था, जबकि वह मूल रूप से नथीनगला थाना कलान जनपद शाहजहांपुर का निवासी था। परिजन बताते हैं कि दंपति पारिवारिक बहन की शादी में शामिल होकर नथीनगला गांव से वापस लौट रहे थे, तभी रास्ते में यह दर्दनाक हादसा हो गया। सियाराम तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। हादसे के बाद मासूम बच्ची सुरक्षित मिली, जिसे परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। थाना प्रभारी पचदेवरा शिवनारायण सिंह ने बताया कि अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। वैधानिक कार्यवाई की जा रही है।

भीषण गर्मी और हीटवेव से सुरक्षा हेतु मास्टर प्लान तैयार : जिलाधिकारी बी.एन. सिंह ने जारी किए सख्त निर्देश

अस्पतालों में विशेष लू-वार्ड, स्कूलों के समय में बदलाव और मनरेगा श्रमिकों के लिए कार्य अवधि में परिवर्तन के आदेश।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि जनपद में भीषण गर्मी एवं संभावित हीट वेव/लू से जनसामान्य, पशुधन तथा पर्यावरण की सुरक्षा के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। शिक्षा विभाग विद्यालयों के समय में आवश्यक परिवर्तन किय गया है तथा छात्रों हेतु पेयजल, बिजली, पंखे एवं छायादार स्थानों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मिड-डे मील की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने एवं विद्यालय भवनों में हीट रेजिस्टेंट उपाय अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निकाय एवं नगर पंचायतों को सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, बस स्टैंड एवं अस्पताल परिसरों में शीतल पेयजल, छाया एवं कूलिंग सेंटर की व्यवस्था करने, पाइप जलापूर्ति की निगरानी रखने तथा पार्कों में छायादार स्थान विकसित करने के निर्देश दिए गए हैं। पंचायती राज एवं ग्राम विकास विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में पानी के टैंकर, हैंडपंपों की मरम्मत, पंचायत भवनों में कूलिंग शेल्टर, तालाबों व जल स्रोतों की सफाई एवं संरक्षण तथा मनरेगा श्रमिकों के कार्य समय में परिवर्तन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। पशुपालन विभाग को पशुओं के लिए पेयजल, टीकाकरण, दवाओं की उपलब्धता, पशुशालाओं में कूलिंग व्यवस्था एवं पशुपालकों को जागरूक करने हेतु विशेष अभियान चलाने को कहा गया है। वन विभाग को सार्वजनिक स्थलों पर वृक्षारोपण, जंगलों में आग से बचाव एवं वन्यजीवों के लिए जल स्रोतों की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। अग्निशमन एवं आपदा प्रबंधन विभाग को 24 घंण्टे अलर्ट मोड में रखते हुए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा सभी उपकेंद्रों पर त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए हैं। विद्युत विभाग को शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाए रखने, खराब लाइनों की समय से मरम्मत तथा आपात स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारियाँ सभी सरकारी अस्पतालों, सीएचसी/पीएचसी में हीट वेव/लू वार्ड या अलग बेड की व्यवस्था करना। डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल स्टाफ की 24 घंण्टे ड्यूटी सुनिश्चित करना। ओआरएस, ग्लूकोज, दवाइयों और आईवी फ्लूइड की पर्याप्त उपलब्धता रखना। एम्बुलेंस सेवा को अलर्ट मोड में रखना। हीट स्ट्रोक के मरीजों का तत्काल उपचार और रेफरल व्यवस्था सुनिश्चित करना। लोगों को लू से बचाव के उपाय (क्या करें/क्या न करें) के बारे में जागरूक करना। अन्य विभागों के साथ समन्वय कर मजदूरों/मनरेगा श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण कराना। परिवहन विभाग की जिम्मेदारियाँ बस स्टैंड व प्रमुख परिवहन स्थलों पर पेयजल और छाया की व्यवस्था करना। यात्रियों के लिए शेड/कूलिंग एरिया उपलब्ध कराना।

वाहनों (बस आदि) की नियमित जांच और सुचारु संचालन सुनिश्चित करना, ताकि गर्मी में कोई बाधा न हो। लंबी दूरी के वाहनों में ओवरलोडिंग और खराब स्थिति से बचाव। आपात स्थिति में मरीजों के लिए तत्काल परिवहन/एम्बुलेंस सहयोग देना। ड्राइवर/कंडक्टर को हीट वेव से बचाव के निर्देश देना। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित किया है कि वे अपनी-अपनी र३ल्र्ल्रिं डस्त्री१३ल्लॅ ढ१ड्ढी४िशी२ (रडढ) तैयार कर 28 अप्रैल 2026 को आयोजित बैठक में प्रस्तुत करें तथा हीट वेव से बचाव हेतु प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें।

जनसुनवाई में डीएम दीपक मीणा ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। जनसमस्याओं के त्वरित और प्रभावी निस्तारण को लेकर जिलाधिकारी दीपक मीणा ने सोमवार को अपने कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि आमजन की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मामलों, पेंशन, आवास योजना, राशन कार्ड, विद्युत आपूर्ति, सड़क निर्माण, जलभराव, पुलिस संबंधी शिकायतों सहित कई मुद्दों को जिलाधिकारी के समक्ष रखा। डीएम ने हर फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी दीपक मीणा ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप आम जनता को त्वरित न्याय और राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए और निर्धारित समय सीमा के भीतर उसका निस्तारण किया जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही या उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान कई मामलों में जिलाधिकारी ने मौके पर ही अधिकारियों से फोन पर बात कर स्थिति की जानकारी ली और तत्काल समाधान सुनिश्चित कराया। उन्होंने विशेष रूप से राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि आपसी समन्वय बनाकर संवेदनशील मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करें, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि जनसुनवाई केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह आम जनता और प्रशासन के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे फरियादियों के साथ संवेदनशील व्यवहार रखें और उनकी समस्याओं को पूरी गंभीरता से सुनें। एडीएम वित्त विनीत कुमार सिंह भी जनसुनवाई के दौरान मौजूद रहे और उन्होंने कई मामलों में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और निस्तारण की प्रगति से उच्चाधिकारियों को अवगत कराया जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे फील्ड स्तर पर जाकर समस्याओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करें और जमीनी स्तर पर समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कई बार छोटी-छोटी समस्याएं समय पर ध्यान न देने के कारण बड़ी बन जाती हैं, इसलिए प्रारंभिक स्तर पर ही उनका समाधान किया जाना जरूरी है। जनसुनवाई में आए फरियादियों ने अपनी समस्याओं को सीधे जिलाधिकारी के समक्ष रखकर राहत महसूस की और प्रशासन की इस पहल की सराहना की। डीएम ने सभी को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का निष्पक्ष और समयबद्ध समाधान किया जाएगा। इस दौरान कार्यालय में प्रशासनिक व्यवस्था सुचारू रही और संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहकर शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया में सहयोग करते नजर आए।

पंचायत में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप, सरकारी धन के दुरुपयोग, प्रधान-सचिव की मिलीभगत से फाइलों तक सिमटा विकास

जर्जर भवन, बंद शौचालय और अवैध कब्जों से उजागर हुई योजनाओं की पोल

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद ,हरदोई। जिले के भरखनी ब्लॉक क्षेत्र की कुरारी ग्राम पंचायत एक बार फिर सुर्खियों में है, जहां विकास कार्यों में भारी अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की मंशाओं के विपरीत यहां जिम्मेदार अधिकारी और जनप्रतिनिधि मिलकर सरकारी धन का बंदरबांट कर रहे हैं, जिससे गांव का समुचित विकास प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों के अनुसार पंचायत में बने आंगनबाड़ी केंद्र, पंचायत भवन और दिव्यांग शौचालय की हालत बेहद खराब है। कई भवन जर्जर स्थिति में पहुंच चुके हैं और उपयोग के लायक नहीं बचे हैं। सबसे ज्यादा नाराजगी सार्वजनिक शौचालय को लेकर है, जिसे ग्रामीण ह्लसिर्फ कागजों में संचालितह्व बता रहे हैं। उनका कहना है कि शौचालय कभी खुलता ही नहीं, जिससे लोगों को रोजाना असुविधा झेलनी पड़ रही है। पंचायत भवन को लेकर भी गंभीर आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पुरानी पंचायत भवन पर पूर्व प्रधान द्वारा अवैध कब्जा किया गया है, जिससे पंचायत के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। वहीं, गांव के खेल मैदान की जमीन पर भी कब्जे की शिकायत सामने आई है, जिससे बच्चों और युवाओं के खेलने की जगह सिमट गई है। इस पूरे मामले में जब ग्राम पंचायत सचिव से बात की गई तो उन्होंने आरोपों से किनारा करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में किसी भी भवन का निर्माण नहीं हुआ है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पंचायत भवन की दीवार किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा तोड़ी गई होगी। हालांकि, सचिव के इस बयान से ग्रामीण संतुष्ट नहीं हैं और इसे जिम्मेदारी से बचने का प्रयास मान रहे हैं। ग्रामीणों ने प्रधान और सचिव की मिलीभगत से विकास कार्यों में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक नहीं पहुंच रहा, जबकि कागजों में कार्य पूर्ण दिखाकर धन निकासी की जा रही है। कई कार्य या तो अधूरे हैं या गुणवत्ता विहीन तरीके से कराए गए हैं। गांव में इस पूरे प्रकरण को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो ग्रामीण आंदोलन करने को मजबूर होंगे। अब सवाल यह है कि क्या जिम्मेदारों की मिलीभगत से विकास योजनाओं में सेंध लगाई जा रही है, या फिर निगरानी तंत्र की विफलता ने इस स्थिति को जन्म दिया है। फिलहाल, यह मामला प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

साया के तत्वाधान में भव्य भंडारा, समाज सेवा, एकता और समर्पण की मिसाल बना आयोजन

अमन लेखनी समाचार

कुरुक्षेत्र। समाज सेवा की भावना को आगे बढ़ाते हुए साया द्वारा श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के तत्वधान में साया द्वारा एक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस भंडारे का आयोजन समाजसेवी राधे श्याम गर्ग द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य व्यक्तियों की विशेष उपस्थिति रही। सभी उपस्थित लोगों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए आयोजक का धन्यवाद किया और समाज में ऐसे सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। भंडारे के दौरान व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित की गई और सभी आगंतुकों के लिए उत्तम प्रबंध किए गए। इस अवसर पर प्रधान विशाल सिंगला, कैशियर विशेष गर्ग, गौरव मित्तल, कुलवंत गर्ग, गौरव तायल, जयपाल गोयल, नवीन बंसल, शिवम बंसल, हिमांशु बंसल, सौरभ गर्ग,सचिन अग्रवाल, सुमित मित्तल,पीयूष बंसल आदि मौजूद रहे।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट- बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ- 226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक – श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

एक ही तरह की भूमिकाओं से बचने के लिए छोड़ दिया अभिनय

मुंबई। अभिनेता और फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप अपनी चुनिंदा भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्मों से ब्रेक लेने की बात पर खुलकर बात की है। अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी फिल्म 'डकैत' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। एक खबर के अनुसार, 53 साल के अनुराग कश्यप ने फिल्मों से ब्रेक लेने की बात पर कहा कि उन्हें बार-बार एक ही तरह की भूमिकाएं मिल रही थीं। इससे बचने के लिए उन्होंने जानबूझकर अभिनय छोड़ दिया था। वे नहीं चाहते थे कि लोग उन्हें एक तय स्क्रीन इमेज में देखने लगें। उन्होंने हाल ही में तेलुगु फिल्म डकैत में काम करके तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया है। इस फिल्म में आदिवी शेष और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिका में हैं।

लाइफ Style

जैस्मीन

माता-पिता से कई बार मिला दर्द

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अब हाल ही में उन्होंने स्ट्रगल्स को लेकर खुलकर बात की। रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट में जैस्मीन ने कहा, 'मैंने काफी स्ट्रगल किया है। मुझे लगता है कि बड़े होते हुए मैंने अपनी जिंदगी के कई ऐसे दौर देखे, जहां मुझे चीजों को खुद समझना पड़ा। वो सफर आसान नहीं था। जिंदगी में बहुत कुछ होता है। यह माता-पिता के लिए भी मुश्किल होता है, लेकिन, बच्चों के लिए भी। हमें सही मार्गदर्शन और प्यार की जरूरत होती है माता-पिता बच्चों के साथ इतने सख्त क्यों होते हैं?' उन्होंने आगे कहा, 'जब जिंदगी सच में मुश्किल होती है, तब आपको सहारे की जरूरत महसूस होती है। उन 2-3 वर्षों में जब मैं शराब पीती थी, मुझे अपने कुछ फैसलों का अफसोस है। बहुत सारी चीजें एक साथ हो रही थीं। एक तरफ मैं मशहूर हो रही थी, दूसरी तरफ अंदर से बहुत कुछ महसूस कर रही थी, परिवार में समस्याएं थीं, मेरे पिता नहीं रहे थे, और मैं सफल भी थी। मैंने जरूरत से ज्यादा शराब पी, जिसका मुझे अफसोस है, लेकिन उस समय मेरे लिए वो जरूरी लग रहा था।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे बचपन में अपने माता-पिता से कई बार दिल टूटने का दर्द मिला। उन्होंने अनजाने में कई बार मेरा दिल दुखाया, इसलिए कहीं न कहीं मन में थोड़ी नाराजगी भी है।

जैस्मीन सैंडलस ने धुरंधर फिल्म में कई गानें दिए हैं, जैसे- धुरंधर का टाइटल ट्रैक, शरारत, मैं और तू। इनमें से सबसे ज्यादा पॉपुलैरिटी धुरंधर 2 के गाने जाइए सजना ने बटोरी। इस गानें पर उनका लाइव परफॉर्मेंस भी काफी वायरल हुआ।

हॉलीवुड मसाला

कई टीवी फिल्मों में भी किया काम

लॉस एंजिल्स। एक्टर और प्रोड्यूसर पैट्रिक मुल्डून का 19 अप्रैल को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। वह 57 साल के थे। वह शो 'डेज ऑफ अवर लाइव्स' और फिल्म 'स्टारशिप ट्रूपर्स' में अपनी भूमिकाओं के लिए जाने जाते थे। कैलिफोर्निया के सैन पेड्रो में जन्मे मुल्डून ने यूएससी से ग्रेजुएशन किया। 1990 के दशक के आखिर और 2000 के दशक में कई टीवी फिल्मों में भी काम किया। बड़े पर्दे पर, मुल्डून ने 1997 की फिल्म 'स्टारशिप ट्रूपर्स' में अभिनय किया।

50 साल से ज्यादा के कॅरियर में जीते चार सीजर अवॉर्ड

लॉस एंजिल्स। डाउनटन एबे' और 'कैच मी इफ यू कैन' जैसी फिल्मों की मशहूर फ्रांसीसी अभिनेत्री नथाली बे का 77 साल की उम्र में निधन हो गया। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अभिनेत्री को श्रद्धांजलि देते हुए एक पोस्ट शेयर किया है। नाथाली का जन्म 6 जुलाई 1948 को फ्रांस के नॉर्मंडी में हुआ था। उन्होंने पेरिस के नेशनल कंजर्वेटरी से अभिनय की ट्रेनिंग ली थी। 1970 के दशक में उन्होंने फिल्मों में काम शुरू किया। उन्होंने अपने 50 साल से ज्यादा के कॅरियर में चार सीजर अवॉर्ड जीते थे। नथाली के शुरुआती दिनों में फ्रॉंस्वा त्रुफो की 'डे फॉर नाइट' और जीन-ल्यूक गोडार्ड की फिल्म शामिल हैं। उन्होंने मार्टिन गेरे की वापसी और वीनस ब्यूटी इंस्टीट्यूट जैसी लोकप्रिय फ्रेंच फिल्मों में भी काम किया है। इसके अलावा हॉलीवुड में उन्होंने कैच मी यू केन मे लियोनार्डो डिकैप्रियो की मा का रोल निभाया।

ब्रेकअप के बाद काफी टूट गई थीं ...

मुंबई। कल्कि कोचलिन देव डी, डायन, ये जवानी है दीवानी, भय जैसी फिल्मों और सीरीज के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि एक दर्दनाक ब्रेकअप के बाद उन्हें कई महीनों तक नींद नहीं आती थी। इस मुश्किल समय ने उन्हें यह समझाया कि दिल और दिमाग का असर शरीर पर कितना गहरा पड़ता है। अपने इस अनुभव को याद करते हुए कल्पी ने ऑल अबाउट हर पॉडकास्ट में कहा, 'मुझे ब्रेकअप के बाद कई महीनों तक इंसोम्निया (नींद न आना) रहा, और तब मुझे एहसास हुआ कि ये सब कितना ज्यादा मानसिक होता है।' उन्होंने आगे बताया, 'मैं सो ही नहीं पाती थी। रात के 2 या 3 बजे मेरी आंख खुल जाती थी और फिर मैं गिटार बजाने लगती थी या खुद को किसी काम में व्यस्त कर लेती थी, क्योंकि दोबारा सो पाना नामुमकिन लगता था।'

राजा शिवाजी का ट्रेलर लांच, जुटी पूरी टीम

मुंबई। रितेश देशमुख द्वारा निर्देशित और अभिनीत राजा शिवाजी इस साल की मच अवेटेड फिल्मों में से एक है। सोमवार को फिल्म का ट्रेलर लॉन्च इवेंट हुआ। जिसमें फिल्म की पूरी कास्ट एक साथ नजर आई। अब इस इवेंट के कई वीडियोज और फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हैं। एक वीडियो में जहां अभिषेक बच्चन, संजय दत्त और विद्या बालन रितेश की तारीफ करते हुए फिल्म में अपने शामिल होने की कहानी बताते हैं। जबकि कई अन्य वीडियोज में बाकी कलाकार एक-दूसरे मिलते और बात करते दिखाई दे रहे हैं। ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अभिषेक बच्चन से जब पूछा गया कि जब रितेश उनके पास फिल्म की कहानी लेकर गए, तो उन्होंने कितनी देर में हां कर दी? इस पर अभिषेक ने पहले मजाकिया लहजे में कहा कि मैं टाइम तो नोट नहीं कर रहा था।

टीवी मसाला

तन्वी बनीं बिग बॉस मराठी सीजन 6 की विजेता, राकेश रहे पहले रनर-अप

मुंबई। बिग बॉस मराठी 6 फिनाले की विजेता की ट्रॉफी तन्वी कोल्टे ने जीत ली है। जीतने पर तन्वी कोल्टे को लाखों रुपए का नकद पुरस्कार मिला है। इसके साथ ही उन्हें एक इलेक्ट्रिक स्कूटर और हीरे के आभूषणों के लिए लाखों रुपए का वाउचर भी दिया गया है। लोकप्रिय रियलिटी शो 'बिग बॉस' मराठी का छठा सीजन रविवार को समाप्त हो गया है। इस सीजन में तन्वी कोल्टे ने ट्रॉफी जीत ली है। राकेश बापट पहले रनर-अप रहे। अभिनेता रितेश देशमुख द्वारा होस्ट किए गए इस रियलिटी शो से विशाल कोटियन, अनुश्री माने और दीपाली सैयद बाहर हो चुके थे। तन्वी ने बाकी सभी खिलाड़ियों को हराकर यह ट्रॉफी अपने नाम की। साथ ही उन्होंने 5 लाख रुपए का सूटकेस भी ठुकरा दिया था। 'बिग बॅस मराठी 6' की ट्रॉफी जीतने पर तन्वी को 15 लाख रुपए का नकद पुरस्कार मिला है। इसी के साथ तन्वी को एक इलेक्ट्रिक स्कूटर भी मिला है। इसके साथ तन्वी को हीरे के आभूषणों के लिए 10 लाख रुपए का वाउचर भी दिया गया है। 'बिग बॉस मराठी 6' का ग्रैंड फिनाले बहुत धमाकेदार रहा। कई पूर्व प्रतियोगियों ने डांस परफॉर्मेंस दी। खासतौर पर राखी सावंत भी डांस करती दिखीं। होस्ट रितेश देशमुख के साथ अभिषेक बच्चन और जेनेलिया डिसूजा भी मौजूद थे। इस दौरान रितेश ने अपनी आने वाली फिल्म 'राजा शिवाजी' का प्रमोशन भी किया।

ओटीटी पर रिलीज होने की तैयारी में धुरंधर 2

मुंबई। धुरंधर 2 रिलीज के बाद से ही सुर्खियों में है। फिल्म ने रिलीज के बाद कई रिकॉर्ड तोड़े और अभी भी मूवी सिनेमाघरों में लगी हुई है।

फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर कमाई कर रही है। 'भूत बंगला' के रिलीज के बाद भी इसकी बुकिंग जारी है। इसलिए अभी इसे ओटीटी पर रिलीज होने में थोड़ा समय लग सकता है। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक 'धुरंधर 2' मई के आखिर या जून के शुरुआत में ओटीटी पर रिलीज हो सकती है। इसका पहला पार्ट नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ था, लेकिन 'धुरंधर द रिवेंज' डिजिटल राइट्स जियो हॉटस्टार के पास हैं। जियो हॉटस्टार 150 करोड़ की डील साइन कर इसके राइट्स लिए हैं। इसका मतलब यह फिल्म जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी। आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह दो-भागों वाली स्पाई थ्रिलर फ्रेंचाइजी बॉक्स ऑफिस पर कामयाब रही है। मूवी में रणवीर सिंह, सारा अर्जुन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और राकेश बेदी अहम किरदार में नजर आए हैं।

पति-पत्नी और वो दो का टीजर जारी मुश्किल में फंसे आयुष्मान

मुंबई। काफी इंतजार के बाद आखिरकार मेकर्स ने आयुष्मान खुराना की अपकमिंग फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' का टीजर रिलीज किया है। यह फिल्म पहले 4 मार्च को रिलीज होने वाली थी। हालांकि, किसी वजह से मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट टाल दी। टीजर रिलीज करने के साथ इस फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान किया गया है। फिल्म 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। कॉमेडी फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' के एक मिनट 22 सेकंड के टीजर में कई दौर दिखाए गए हैं। इसमें दिखाया गया है कि हर दौर के हिसाब से कई चीजें बदली हैं लेकिन पतियों की फितरत नहीं बदली है। इसके बाद आयुष्मान खुराना, वामिका गब्बी, सारा अली खान और रकुल प्रीत सिंह के साथ रोमांस करते हुए नजर आते हैं। टीजर में आगे दिखाया गया है कि आयुष्मान खुराना कई महिलाओं के साथ रोमांस करने को लेकर मुश्किल में फंसते हैं। वह महिलाओं से बचते हुए नजर आते हैं। ट्रेलर में विजय राज भी दिखें हैं, जिन्होंने पुलिस वाले का किरदार निभाया है। हाल ही में फिल्म के मेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी थी कि यह कब रिलीज होगी। पोस्ट में फिल्म का पोस्टर था, जिसमें आयुष्मान खुराना एक चीते के साथ बैठे थे। पोस्ट के कैप्शन में लिखा था 'शिकारी खुद हो गया शिकार। अब जाल में फंस गए हमारे प्रजापति पांडे। हो जाओ 'पति पत्नी और वो दो' के लिए तैयार।

इस वीक दर्शकों को मिलेगा एक्शन कॉमेडी और थ्रिल का ट्रिपल डोज

नई दिल्ली। अप्रैल का पहला वीक काफी खास रहा। ओटीटी पर कई शानदार फिल्में और सीरीज रिलीज हुईं। दूसरा वीक भी कम दिलचस्प नहीं है। दर्शकों को एक्शन, कॉमेडी और थ्रिल का रोमांच मिलेगा। यह महीना मनोरंजन के शौकीनों के लिए काफी अच्छा बीत रहा है। सिनेमाघरों में डकैत और भूत बंगला जैसी फिल्मों ने दस्तक दी है। वहीं, ओटीटी पर भी टोस्टर और मटका किंग सहित कई फिल्में और सीरीज बीते सप्ताह रिलीज हुईं। इस महीने का दूसरा वीक भी काफी शानदार है।

प्रतिछाया : यह मलयालम पॉलिटिकल थ्रिलर फिल्म इस साल मार्च में थिएटर्स में रिलीज हुई थी। अब यह ओटीटी पर दस्तक देने जा रही है। इस वीक से दर्शक इसे देख सकेंगे। इस फिल्म में पावर, राजनीति और बदले की दमदार कहानी दिखाई गई है। 24 अप्रैल से इसे जियो हॉटस्टार पर देख सकते हैं।

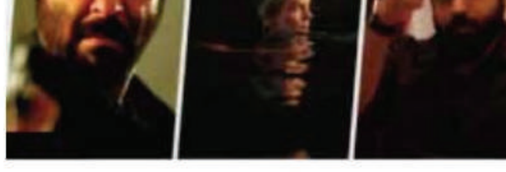

24 : अनिल कपूर अभिनीत एक्शन थ्रिलर शो 24 का तीसरा सीजन इस वीक रिलीज होने जा रहा है। इसमें अनिल कपूर एक बार फिर जय सिंह राठौड़ के रोल में नजर आने वाले हैं। इसे दर्शक 24 अप्रैल से जियो हॉटस्टार पर देख सकेंगे। बता दें कि '24' का पहला सीजन 04 अक्टूबर 2013 को टीवी पर आया था। दूसरा सीजन 23 जुलाई 2016 से 9 अक्टूबर 2016 तक प्रसारित हुआ। अब तीसरा सीजन ओटीटी पर आ रहा है।

स्ट्रेंजर थिंग्स- टेल्स फ्रॉम 85 : यह सीरीज भी इस वीक की ओटीटी लिस्ट में शामिल है। यह 23 अप्रैल से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। यह एक एनिमेटेड साइंस फिक्शन सीरीज है। अगर आपको एनिमेटेड शो पसंद हैं, तो इसे देख सकते हैं।

एपेक्स : यह एक सर्वाइवल एक्शन थ्रिलर फिल्म है। यह भी इस वीक रिलीज होगी। इसका निर्देशन बाल्टासर कोरमाकुर ने किया है। इसकी स्क्रिप्ट जेरेमी रॉबिन्स ने लिखी है। वहीं, इसमें चार्लीज थेरॉन, टैरोन एगर्टन और एरिक बाना जैसे सितारे हैं। यह 24 अप्रैल से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

कपिल शर्मा शो के कारण एक्टिंग कॅरियर हुआ ठप, अर्चना को अफसोस!

कई फिल्मों को किया मना, अब मेकर्स को नहीं दिला रहीं यकीन

नई दिल्ली। अर्चना पूरन सिंह ने साल 1982 में महज 20 साल की उम्र में फिल्म 'निकाह' से एक्टिंग में डेब्यू किया था। वह उन चुनिंदा एक्ट्रेसेस में से हैं, जिन्होंने बड़े पर्दे और टीवी, दोनों पर साथ-साथ काम किया और दोनों ही मोर्चों पर शोहरत बटोरी। साल 1987 में वह नसीरुद्दीन शाह के साथ फिल्म जलवा में लीड रोल में नजर आईं। अब तक 100 से अधिक फिल्मों और टीवी शोज में काम कर चुकीं 63 साल की अर्चना को मौजूदा वक्त में 'द कपिल शर्मा शो' में जज के रूप में पहचाना जाता है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि इस कॉमेडी शो ने उन्हें नए दौर में खूब पॉपुलैरिटी दी। लेकिन, एक्ट्रेस का मानना है कि कहीं ना कहीं इस कारण उनका एक्टिंग कॅरियर 'ठप' पड़ गया। ताजा इंटरव्यू में उनका यह दर्द छलका है, जो कहीं ना कहीं 'पछतावा' बनकर भी उभरा है। नब्बे के दशक में बाज और जज मुजरिम जैसी फिल्मों में आइटम नंबर, फिर इंसान, कुछ कुछ होता है, दे दना दन और बोल बच्चन जैसी फिल्मों में अपने कॉमेडी अवतार के लिए सुर्खियां बटोरने वाली अर्चना पूरन सिंह ने 2019 में, नवजोत सिंह सिद्धू की जगह 'द कपिल शर्मा शो' में जज के तौर पर एंट्री की थी। इसके बाद से ही वह इस शो का हिस्सा हैं। यह शो पहले टीवी पर आता था और अब ओटीटी पर 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के नाम से प्रसारित होता है।

दूसरे प्रोजेक्ट्स में काम करना था मुश्किल

इन दिनों नेटफ्लिक्स फिल्म 'टोस्टर' में नजर आ रहीं अर्चना पूरन सिंह एक बातचीत में कहती हैं, 'इन बीते सालों में मैं फिल्मों में काम नहीं कर पाई। एक बार मुझे एक कॉल आया। उन्हें एक शूट के लिए 25 दिनों के लिए मुझे स्कॉटलैंड ले जाना था। लेकिन, मेरे लिए कपिल के शो की शूटिंग छोड़कर कहीं और फिल्म की शूटिंग करना मुमकिन नहीं था। पहले, जब यह शो टीवी पर आता था, तो हम साल में 100 एपिसोड शूट करते थे। यही वजह है कि मेरे पास कुछ और करने का समय ही नहीं होता था।' कपिल के शो की वजह से मुझे कई फिल्मों को मना करना पड़ा। मैंने इतनी बार मना कर चुकी हूं कि लोगों ने मुझे एक्टिंग के लिए अप्रोच करना ही बंद कर दिया।

लोगों ने अप्रोच करना छोड़ दिया

अर्चना ने आगे कहा, 'कपिल के शो की वजह से मुझे कई फिल्मों को मना करना पड़ा। अब क्योंकि मैंने इतनी बार मना कर चुकी हूं, इसलिए लोगों ने मुझे एक्टिंग के लिए अप्रोच करना ही बंद कर दिया। हालांकि, एक्ट्रेस यह भी कहती हैं कि अब जब 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा है, तो उन्हें उम्मीद है कि उनके कॅरियर को एक नई जिंदगी मिलेगी। मैं कितनी भी कोशिश कर लू, मैं फिल्ममेकर्स को यकीन नहीं दिला पा रही हू। उन्हें अब भी लगता है कि मैं कोई ऐसी इंसान हूं जो बस कुर्सी पर बैठकर हंसती रहती है।

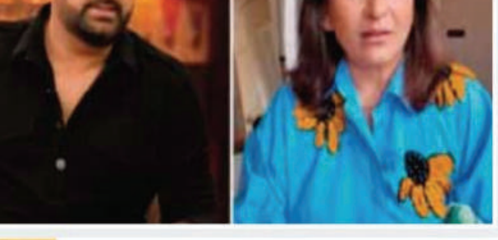

'आदर्श बाल विद्यालय' सीरीज में दिखेंगी

वैसे, 'टोस्टर' से पहले अर्चना पूरन सिंह बीते साल 2025 में इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर की 'नादानियां' में नजर आई थीं। आगे वह केके मेनन के साथ वेब सीरीज 'आदर्श बाल विद्यालय' में भी दिखेंगी।

राजकुमार के साथ दूसरी बार काम

अर्चना पूरन सिंह फिल्म 'टोस्टर' में एक कॉमिक रोल में नजर आ रही हैं। राजकुमार राव के साथ यह उनका दूसरा कोलैबोरेशन है। इससे पहले दोनों 'विकी विद्या का वो वाला वीडियो' में साथ काम कर चुके हैं। वह कहती हैं, 'राजकुमार ने मेरा काम 'विकी विद्या का वो वाला वीडियो' में देखा था। यह पहली बार था जब हम दोनों एक-दूसरे के साथ काम कर रहे थे। इसी तरह 'टोस्टर' की शुरुआत हुई। अगर मैंने उस फिल्म में उनके साथ काम नहीं करती, तो शायद 'टोस्टर' का हिस्सा नहीं बन पाती।'